संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -162 रविवार, 14 अप्रैल 2024, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रुपये

सीबीआई का मेघा इंजीनियरिंग के खिलाफ आरोप

सीबीआई के अधिकारियों ने लगाया आरोप,जगदलपुर एकीकृत इस्पात संयंत्र से संबंधित कार्यों में रिश्वत...

मेघा इंजीनियरिंग के 174 करोड़ रुपये के बिलों को मंजूरी देने में लगभग 78 लाख रुपये की दी गई थी रिश्वत...

नई दिल्ली,13 अप्रैल 2024(ए)। हैदराबाद स्थित मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के खिलाफ सीबीआई ने कथित तौर से रिश्वत देने के एक मामले में एफआईआर दर्ज की है। गौरतलब है कि कंपनी ने 966 करोड़ रुपये के चुनावी बॉन्ड खरीदे थे और वह इन बॉन्ड की दूसरी सबसे बड़ी खरीदार है। अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि जगदलपुर एकीकृत इस्पात संयंत्र से संबंधित कार्यों के लिए मेघा इंजीनियरिंग के 174 करोड़ रुपये के बिलों को मंजूरी देने में लगभग 78 लाख रुपये की कथित रिश्वत दी। प्राथमिकी में एनआईएसपी और एनएमडीसी के आठ अधिकारियों और मेकॉन के दो अधिकारियों को भी कथित तौर पर रिश्वत लेने के लिए नामित किया गया है। चुनाव आयोग के 21 मार्च को जारी आंकड़ों के अनुसार मेघा इंजीनियरिंग

चुनावी बॉन्ड की दूसरी सबसे बड़ी खरीदार थी और उसने भाजपा को लगभग 586 करोड़ रुपये की सबसे अधिक राशि का दान दिया था। कंपनी ने बीआरएस को 195 करोड़ रुपये, डीएमके को 85 करोड़ रुपये और वाईएसआरसीपी को 37 करोड़ रुपये का दान दिया। टीडीपी को कंपनी से करीब 25 करोड़ रुपये मिले, जबकि कांग्रेस को 17 करोड़ रुपये मिले। एफआईआर के मुताबिक, सीबीआई ने 10 अगस्त, 2023 को एकीकृत इस्पात संयंत्र जगदलपुर में इंटेक वेल और पंप हाउस और क्रॉस-कंट्री पाइपलाइन के कार्यों से संबंधित 315 करोड़ रुपये की परियोजना में कथित रिश्वतखोरी के बारे में प्रारंभिक जांच दर्ज की थी। प्रारंभिक जांच के निष्कर्षों के आधार पर, 18 मार्च को कथित रिश्वतखोरी को लेकर एक नियमित मामला दर्ज करने की सिफारिश की गई थी, जो 31 मार्च को दायर किया गया था।

एनआईएसपी और एनएमडीसी के आठ अधिकारियों का नाम

सीबीआई ने एनआईएसपी और एनएमडीसी लिमिटेड के आठ अधिकारियों को नामजद किया है. इनमें रिटायर्ड एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रशांत दश, डायरेक्टर (प्रोडक्शन) डीके मोहंती,डीजीएम,पीकेभुइयां,डीएम नरेश बाबू, सीनियर मैनेजर सुब्रो बनर्जी, रिटायर्ड सीजीएम (फाइनेंस) एल कृष्ण मोहन, जीएम (फाइनेंस) के राजशेखर, मैनेजर (फाइनेंस) सोमनाथ घोष शामिल हैं, जिन्होंने कथित तौर पर 73.85 लाख रुपये की रिश्वत ली थी। सीबीआई ने मेकॉन लिमिटेड के दो अधिकारियों-एजीएम (कॉन्ट्रैक्ट) संजीव सहाय और डीजीएम (कॉन्ट्रैक्ट) के इलावर्सू का भी नाम लिया है जिन पर कथित तौर पर एमईआईएल के जनरल मैनेजर सुभाष चंद्र सांगरास, मेघा इंजीनियरिंग और अज्ञात लोगों से 73 चालानों के 174.41 करोड़ रुपये के भुगतान के बदले में 5.01 लाख रुपये लेने का आरोप है। इस मामले में चंद्रा और मेघा इंजीनियरिंग को भी आरोपी बनाया गया है।

ईडी का बड़ा आरोप

पूर्व डीएमके नेता ने ड्रग की काली कमाई फिल्मों और रियल एस्टेट में लगाई

नई दिल्ली,13 अप्रैल 2024(ए)। प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को बर्खास्त किए गए पूर्व डीएमके नेता जाफर सादिक को लेकर बड़ा खुलासा किया। ईडी ने आरोप लगाया है कि सादिक ने ड्रग्स की तस्करी से कमाए 40 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई फिल्म निर्माण, आतिथ्य और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों में लगाई। प्रवर्तन निदेशालय ने 9 अप्रैल को चेन्नई, मदुरै और तिरुचिरापल्ली में इस मामले में छापेमारी की थी, जिसके बाद एजेंसी ने एक आधिकारिक बयान जारी करके ये दावे किए हैं।

संक्षिप्त खबर

अरविंद केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई सोमवार को

नई दिल्ली,13 अप्रैल 2024 (ए)। दिल्ली शराब नीति मामले में ईडी द्वारा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और रिमांड के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 15 अप्रैल यानी सोमवार को सुनवाई करेगा। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की खंडपीठ इस मामले की सुनवाई करेगी।

बेंगलुरु कैफे बम हमलावर एनआईए हिरासत में

बेंगलुरु ,13 अप्रैल 2024 (ए)। बेंगलुरु की विशेष एनआईए अदालत ने रामेश्वरम कैफे बम विस्फोट मामले में संदिग्ध हमलावर मुसाविर हुसैन शाजिब और मास्टरमाइंड अब्दुल मथीन ताहा को 10 दिन की एनआईए की हिरासत में भेज दिया है। एनआईए ने शनिवार को मुसाविर हुसैन शाजिब और उसके साथी अब्दुल मथीन ताहा को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया। रिमांड मिलने के बाद एनआईए दोनों को अज्ञात स्थान पर ले गई। संदिग्ध आतंकवादियों की गिरफ्तारी जांच एजेंसियों के लिए एक बड़ी सफलता है।

आतंकी प्रभप्रीत सिंह जर्मनी को दिल्ली एयरपोर्ट से किया गिरफ्तार

चंडीगढ़/अमृतसर,13 अप्रैल 2024 (ए)। आतंकवाद के विरुद्ध चल रही मुहिम के दौरान स्टेट स्पैशल ऑपरेशन सैल (एसएसओसी) अमृतसर ने जर्मनी आधारित संचालक प्रभप्रीत सिंह सिद्धू को दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे से गिरफ़्तार करके आतंकवादी भर्ती करने, फंडिंग देने और सहायता करने वाले मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है।

आरजेडी ने जारी किया घोषणा पत्र

- » 500 में गैस सिलेंडर,
- » 1 करोड़ नौकरी
- » महिलाओं को 1 लाख रुपए का वादा

पटना,13 अप्रैल 2024 (ए)। राष्ट्रीय जनता दल ने शनिवार को अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। नेता प्रतिपक्ष और राजद नेता तेजस्वी यादव ने घोषणा पत्र जारी किया है। राजद ने इसे घोषणा पत्र की जगह परिवर्तन पत्र नाम दिया है। परिवर्तन पत्र जारी किए जाने के दौरान तेजस्वी यादव के साथ जगदानंद सिंह और राजद के अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे।
लालू यादव की पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में जॉब और महिलाओं पर फोकस किया है। तेजस्वी यादव ने 24 घोषणा की है। तेजस्वी यादव ने कहा कि

अगर केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो हम लोग बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाएंगे। स्पेशल पैकेज अलग से दिया जाएगा। महंगाई को कम करते हुए 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन से हम गरीब महिलाओं को 1 लाख रुपये देंगे और 200 यूनिट बिजली फ्री देंगे।
तेजस्वी यादव ने कहा कि आने वाले 15 अगस्त से देश के युवाओं को बेरोजगारी से आजादी दिलाएंगे। सरकार बनने पर इसी 15 अगस्त से 30 लाख रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया प्रारंभ शुरू हो जाएगी। 70 लाख नए पदों का सृजन किया जाएगा। यानि कुल एक करोड़ युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी। पुरानी पेंशन योजना लागू की जाएगी।घोषणा पत्र जारी करने से पहले तेजस्वी यादव ने एक्स हैंडल पर ट्वीट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। तेजस्वी ने कहा कि मैं लंबे समय से नौकरी, महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी के बारे में बोल रहा हूं लेकिन प्रधानमंत्री जनमुद्दों और काम की बात का नोटिस ही नहीं लेते। उन्हें तो बस अपने मन की बात सुनानी है। 10 वर्षों में उन्होंने बिहार को क्या दिया? अपने वादे पूरे क्यों नहीं किए? इन पर नहीं बोलते, वो मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए इधर-उधर की बातें करते है। बिहार की जनता समझदार है।

कैलाश गहलोत को 50 करोड़ रुपये का भुगतान किया

ठग सुकेश चन्द्रशेखर का दावा

नई दिल्ली,13 अप्रैल 2024 (ए)। कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर ने शनिवार को दावा किया कि उसने राज्यसभा सीट हासिल करने के लिए आप नेता कैलाश गहलोत को 50 करोड़ रुपये दिए। सुकेश ने

कहा, ÷मैंने राज्यसभा सीट सुरक्षित करने के लिए जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर आप नेता कैलाश गहलोत को उनके फार्म हाउस पर 50 करोड़ रुपये का भुगतान किया। उन्होंने कहा कि वह आप नेतृत्व को बेनकाब करेंगे और आप नेताओं के साथ हुई कथित व्हाट्सऐप चैट को भी सार्वजनिक कर देंगे।

तिहाड़ में केजरीवाल को पत्नी सुनीता से आमने-सामने नहीं मिलने दिया जा रहा

संजय सिंह ने लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली,13 अप्रैल 2024 (ए)। दिल्ली से आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शनिवार सुबह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने जेल प्रशासन पर आरोप लगाए। संजय सिंह ने दावा किया है कि भाजपा के प्रेशर में तिहाड़ जेल प्रशासन काम कर रहा है। संजय ने आरोप लगाया, जेल प्रशासन दिल्ली के चुने हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उनकी पत्नी से आमने-सामने नहीं मिलने दे रहा। ॉ
सुनीता केजरीवाल दिल्ली सीएम से खिड़की के पीछे से मिल रही हैं। इसके साथ ही संजय सिंह ने आरोप लगाया कि आज तक किस चुने हुए मुख्यमंत्री को दूसरे मुख्यमंत्री से जेल में जंगले में मिलना पड़ा है। किसी को भी नहीं, लेकिन तिहाड़ जेल प्रशासन ने पंजाब के सीएम भगवंत

मान को सीएम केजरीवाल से मिलने के लिए मुलाकाती जंगले की जगह तय की है।उन्होंने आरोप लगाया कि यह केंद्र की तानाशाही है जो एक मुख्यमंत्री को किसी मुलाकाती से आमने-सामने मिलने नहीं दे रहे।

केंद्र का आदेश,बॉर्नविटा को हेल्थ ड्रिंक्स कैटेगरी से हटाया जाए

नई दिल्ली,13 अप्रैल 2024 (ए)। बच्चों की ग्रोथ बढ़ाने का दावा करने वाले बॉर्नविटा जैसे तमाम हेल्थ ड्रिंक्स बाजार और ई-कॉमर्स वेबसाइट्स पर उपलब्ध हैं। मगर क्या आप जानते हैं कि जानते हैं कि ऐसे हेल्थ ड्रिंक्स आपके बच्चों की सेहत के लिए वाकई फायदेमंद हैं भी या नहीं। अब, भारत सरकार ने हेल्थ ड्रिंक्स के नाम पर बेवरेज बेचने को लेकर ई-कॉमर्स कंपनियों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है।
दरअसल, बाजार में अब बॉर्नविटा जैसे तमाम ड्रिंक्स ई-कॉमर्स साइट पर हेल्थ ड्रिंक्स के नाम से नहीं बेचे जा सकेंगे। हेल्थ ड्रिंक्स पर उद्योग मंत्रालय ने सभी ई-कॉमर्स कंपनियों को एक एडवाइजरी जारी की है। इसमें बताया गया है कि बॉर्नविटा और दूसरे बेवरेज

को हेल्थ ड्रिंक्स कैटेगरी में नहीं रखा जाए।
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने सभी ई-कॉमर्स कंपनियों को वेबसाइट से बॉर्नविटा सहित सभी बेवरेज को हेल्थ ड्रिंक्स कैटेगरी से हटाने को कहा है।

क्या है एडवाइजरी

एडवाइजरी में बताया गया है कि बॉर्नविटा सहित कुछ पेय पदार्थों को ई-कॉमर्स साइटों और प्लेटफार्म्स पर 'हेल्थ ड्रिंक' के रूप में वर्गीकृत किया गया है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने अपनी जांच के बाद पाया कि फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स कानून के तहत 'हेल्थ ड्रिंक्स' की कोई परिभाषा नहीं है। सरकार ने ई-कॉमर्स कंपनियों और वेबसाइट्स को सलाह दी है कि वे अपने प्लेटफॉर्म्स से बॉर्नविटा सहित बेवरेज को 'हेल्थ ड्रिंक्स' की कैटेगरी से हटा दें।

एयरफोर्स को मिलेंगे 97 स्वदेशी लड़ाकू विमान

रक्षा मंत्रालय ने खरीद के लिए टेंडर को मंजूरी दी

नई दिल्ली,13 अप्रैल 2024 (ए)। रक्षा मंत्रालय ने स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस एमके 1ए की खरीद के लिए टेंडर जारी किया है। इन विमानों का निर्माण हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा भारतीय वायुसेना के लिए किया जाएगा। ऐसे 97 हल्के लड़ाकू विमानों की खरीद की जानी है।इसकी अनुमानित लागत लगभग 67 हजार करोड़ रुपए है। लगभग चार महीने पहले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद के तेजस एमके 1ए लड़ाकू विमानों की खरीद के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी। अब इसके टेंडर को स्वीकृति प्रदान की गई है। यह सभी 83 लड़ाकू विमान 2028 तक वायुसेना में शामिल किए जाने की उम्मीद है।

शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे का पीएम मोदी पर पलटवार

मेरी पार्टी आपकी डिग्री की तरह नहीं

मुंबई ,13 अप्रैल 2024 (ए)। लोकसभा चुनाव के चलते वार पलटवार की राजनीति चरम पर है। सरकार और विपक्ष दोनों एक दूसरे पर हमले कर रहे हैं। इस बीच पीएम मोदी के एक बयान को लेकर शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पलटवार किया है। दरअसल, पीएम मोदी ने हाल ही में उद्धव की पार्टी को फर्जी करार दिया था, जिसपर उन्होंने पलटवार किया। ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी आपकी डिग्री जैसी नहीं है।
शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी की स्थापना बाल ठाकरे ने लोगों के अधिकारों के लिए लड़ने के लिए की थी। उद्धव

ने कहा कि शिवसेना की स्थापना बाल ठाकरे ने भूमिपुत्रों के अधिकारों के लिए लड़ने के लिए की थी, उसको अब नकली कहा जा रहा है। उद्धव ने कहा कि ये उनकी डिग्री नहीं है, जिसे फर्जी कहा जाए।

जम्मू-कश्मीर के रियासी में आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़

जम्मू ,13 अप्रैल 2024 (ए)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शनिवार को बताया कि उसने जम्मू के रियासी जिले के माहौर इलाके में एक आतंकवादी ठिकाने से बड़ी मात्रा में विस्फोटक, कारतूस आदि बरामद किये हैं। पुलिस ने कहा कि इलाके में आतंकवादी ठिकाने की मौजूदगी के बारे में विश्वसनीय जानकारी के आधार पर ऑपरेशन शुरू किया गया था। पुलिस के अनुसार, तलाशी और घेराबंदी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने शाजरू के लॉन्चा इलाके में ठिकाने से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया।
पुलिस ने कहा कि बरामदगी में इलेक्ट्रिक डेटोनेटर के साथ एक टिफिन आईईडी, दो पिस्तौल, दो

मैगजीन, पिस्तौल के 19 कारतूस, लगभग 400 ग्राम विस्फोटक पाउडर, एके 47 के 40 कारतूस, नियंत्रण रेखा/सीमा के चार चित्र, सिक्सर पिस्तौल के पांच कारतूस, एक इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, 9 वोल्ट की छह डीसी बैटरी, 12 वोल्ट की दो लिथियम आयन बैटरी, दो बंडल इलेक्ट्रिक तार (लगभग 40 मीटर), लगभग पांच मीटर प्लास्टिक की रस्सी, एक स्टील प्लेट, एक स्टील ग्लास, एक बैग और तीन फटी हुई बेडशीट शामिल हैं।

अकाली दल ने पंजाब की 13 में से सात सीटों के लिए उम्मीदवार घोषित किये

चंडीगढ़ ,13 अप्रैल 2024 (ए)।। शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) ने शनिवार को अपनी पहली सूची जारी की जिसमें पंजाब की 13 में से सात लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की गई है।
एसएडी नेता और पूर्व मंत्री दलजीत सिंह चीमा ने बताया कि एसएडी प्रमुख सुखबीर बादल ने सात वरिष्ठ नेताओं को लोकसभा चुनावों में उम्मीदवार बनाया है।चीमा ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, चुनावी बिगुल फूंकने के लिए खालसा सिरजन दिवस के ऐतिहासिक एवं पवित्र मौके को चुनते हुए उन्होंने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है।÷ चीमा को गुरदासपुर से और प्रेम सिंह चंदुमाजरा को आनंदपुर साहिव से टिकट दिया गया है।डेरा बस्सी के पूर्व विधायक एन.के. शर्मा पटियाला से और भाजपा छोड़कर पार्टी में आने वाले अनिल जोशी अमृतसर से चुनाव लड़ेंगे। फतेहगढ़ साहिब से एसएडी ने

बिक्रमजीत सिंह खालसा को और फरीदकोट से गुरदेव सिंह बादल के पोते राजविंदर सिंह को टिकट दिया गया है।संगरूर से पार्टी ने इकबाल सिंह झुंडा को टिकट दिया है।पंजाब में अंतिम चरण में 1 जून को सभी 13 लोकसभा सीटों के लिए मत डाले जायेंगे।

बंगाल में पीडीएस व कैश-फॉर-जॉब मामले में 230 करोड़ की संपत्ति जब्त

कोलकाता ,13 अप्रैल 2024 (ए)। ईडी ने पश्चिम बंगाल में स्कूल के बदले नौकरी घोटाले और राशन वितरण रैकेट से संबंधित दो मामलों में अब तक 411 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। सूत्रों ने बताया कि 230.60 करोड़ रुपये कैश-फॉर-स्कूल-जॉब मामले में जब्त किया गया। ये जब्ती मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) की स्क्रीनिंग कमेटी के पूर्व संयोजक शांति प्रसाद सिन्हा और गिरफ्तार बिचौलिए प्रसन्ना रॉय की संपत्तियों से संबंधित है। पीडीएस मामले में ईडी द्वारा जब्त की गई संपत्ति का मूल्य लगभग 150 करोड़ रुपये है।

संपादकीय

सीएम ममता का हास्यास्पद तर्क

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) टीम पर हमले और फिर एफआईआर, चोरी और सीनाजोरी का मामला है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी सरकार की नजर में कोई भी केंद्रीय जांच एजेंसी; एनआईए, ईडी या सीबीआई हो, वे सब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की निजी एजेंसियां हैं। इनका इस्तेमाल वे सूबे की सत्ता हासिल करने में करते हैं। लिहाजा, तृणमूल कांग्रेस (तृमूकां) ने निर्वाचन आयोग से मिलकर अनुरोध किया है कि वह भाजपा का चुनावी हित साधने में जांच एजेंसियों के दुरुपयोग रोके। तृमूकां का वहां अपनी बात रखने और उस पर उचित कार्रवाई की आशा का पूरा अधिकार है। पर अंधाधुंध विरोध में ममता इस बात को भूल जाती हैं कि वे केवल तृमूकां की अभियानी नेता भर नहीं हैं। वे मुख्यमंत्री जैसे एक संवैधानिक पद पर हैं, जिसका काम प्रदेश के साथ राष्ट्रीय एकता, सम्प्रभुता और अखंडता की रक्षा का भी है। यह तभी हो सकता है कि जब राज्य एवं संघ के कर्त्तव्यों का पालन किया जाए। पहले ईडी और अब एनआईए मामले में ऐसा नहीं हुआ है।एनआईए की टीम 2022 के एक आतंकवादी मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार करने पहुंची थी, उस पर उनके समर्थकों, जिन्हें कांग्रेस नेता अधीर रंजन दीदी के गुंडे' कहते हैं, ने हमला कर दिया। मुख्यमंत्री एनआई टीम की कार्रवाई का सपोर्ट करने, उसे पुलिस सुरक्षा देने और हमलावरों की गिरफ्तारी का निर्देश देने के बजाय हास्यास्पद तर्क दे रही हैं।ममता मुख्यमंत्री हैं, उनके अधीन पुलिस समेत राज्य की कई जांच एजेंसियां हैं, जिनकी रात की रेड एक रूटीन-वर्क है। इसी बिना पर एनआईए की रेड का विरोध गैरजिम्मेदाराना है। ममता यह भी जानती हैं कि आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए गई कोई भी टीम, अगर वह पुलिस से अभिरक्षित नहीं है तो गुस्साए परिजनों के हमले का खुला द्वार होती है।बदसलूकी का उस पर इल्जाम तो मामूली बात है जबकि यह कानूनी कार्रवाई में बाधा डालने और अफसरों पर हमले का मामला था, जिसकी प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।ममता क्या बताएंगी कि संदेशखालि का मामला इतनी ही फुर्ती से क्यों दर्ज नहीं हो सका था? दरअसल, एनआईए प्रकरण से ममता सरकार में संरक्षित आतंकवाद की फिर पोल-पट्टी खुल गई है। ऐसा करके वे चंद वोटों को ही गारंटिड कर सकी हैं। उसी समुदाय के अधिकतर लोगों एवं सूबे का भरोसा हार गई हैं, जिनकी कामना आतंकवाद-मुक्त शांतिपूर्ण-सहअस्तित्व की है।

ये दुनिया कितनी बदल चुकी है

ये दुनिया कितनी बदल चुकी है। इसके बारे में क्या बताऊं? फिर भी लेखिका अपने लेख के माध्यम से अपने भाव, विचार को प्रकट कर रही हैं। एक समय था जब बच्चे ना धूप का फिक्र करते थे, ना गर्मी की, ना बरसात की और ना ही कीचड़ की बस उनका मन करता था और वो सभी बच्चे खेत में खेलने चले जाते थे गिल्ली-डंडा, पकड़म पकड़ाई और न जाने क्या-क्या खेल खेलते थे और आज के समय में क्या हो गया है बच्चों को। धूप में निकलने से डरते है और माता-पिता भी परेशान होते हैं और कहते हैं कि मेरे बच्चे धूप में जाएंगे, बरसात में जाएंगे, कीचड़ में जाएंगे अरे! वह तो बीमार हो जाएंगे। आखिर इतना बड़ा परिवर्तन कैसे हो गया हमारे समाज में।एक समय था जब बच्चें इन सभी की फिक्र नही करते थे और आज बच्चों को तो छोड़ों माँ-बाप चिंता में है। अब इसमें कुछ लोग कहते हैं - कि पहले माँ-बाप को बच्चों की चिंता कहाँ होती थी जैसे तैसे भेज दिया करते थे ताकि छुटकारा मिले और अभी हम सभी माँ-बाप अपने बच्चों को लेकर चिंतित रहते है। यह सच्ची घटना है और यही लाइन एक माता ने कहा तब लेखिका कहती है- कि इस दुनिया में माँ-बाप का प्यार अमूल्य था, है और रहेगा। जितना आज के माँ-बाप को अपनी संतान की चिंता रहती है उतना ही पहले के माँ-बाप को भी था। परिवर्तन आया है तो हमारे पर्यावरण में, हमारी सोच में, हमारे रहने-सहने की ढ़ग में जिसमें कारण हम अपने बच्चों को बचाने के नाम डरपोक बना रहे हैं। और ये सच बात है एक समय था जब बच्चे पूरी रात खेत में रहकर देखभाल कर लिया करते थे और आज अंधेरे से डरते हैं। और कई सारे परिवर्तन आए हैं बच्चों के बीच में चलिए उन पर भी चर्चा किया जाए। पहले के बच्चे जो होते थे वह लोग अपनी मेहनत से ही है ना अपना शरीर बना लिया करते थे उन्हें किसी जिम में जाने की जरूरत नहीं पड़ती थी लेकिन आज के समय में आप सभी देखेंगे कि अधिकतर लोग जिम जाया करते हैं प्रोटीन खाया करते हैं और सुंदर देखने के लिए सर्जरी भी करवाते हैं यहां तक कुछ महिलाएं बच्चों को अपने कोख से भी जन्म नहीं देती हैं यह कैसा परिवर्तन है हमारी दुनिया में। एक समय था जब लोग डांस किया करते थे और आज का यह समय हो गया है जिसको देखो जैसा मन करे वैसा डांस कर रहा है उसको एक्चुअली डांस कहना भी गलत होगा लोग सिर्फ अपनी हुसैन से यानी जिस्म से लाइक कमेंट और फॉलोवर्स के लिए पूरी सोशल मीडिया को अश्लील बन चुके हैं। क्या करेंगे बच्चे। आप सभी ही बताइए। उन्हें धूप में भेजने से डरते हैं। उन्हें बाहर खेलने के लिए भेजने से डरते हैं, नहीं उसको अपने दोस्तों के साथ छोड़ते हैं तो वह बच्चे घर भी करेंगे क्या? सभी मां-बाप से निवेदन होगा अपने बच्चों को बाहर खेलने के लिए छोड़े उन्हें सशक्त बनाएं उनके अंदर अपनी राष्ट्र के लिए अपनी मातृभूमि के लिए प्यार की भावना को जागृत करें और समाज के लिए कुछ अच्छा करने के बारे में सोच इसके लिए आप सभी माता-पिता अपने बच्चों के साथ कुछ समय बिताए। बच्चों की भावनाओं को समझते हुए उनके लिए कुछ अच्छा और बेहतर करने के बारे में सोचो क्योंकि आज के बच्चे ही हमारे देश के भविष्य हैं।।

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर
बिहार

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

नवरात्रि का पवित्र छठा दिवस

माता का छठा भव्य विराट स्वरूप माँ कात्यायनी

कात्यायनी नवदुर्गा या हिंदू देवी पार्वती (शक्ति) के नौ रूपों में छठवें रूप में अबतरित हुई है। यह अमर कोष में पार्वती के लिए दूसरा नाम है, संस्कृत शब्दकोश में उमा, कात्यायनी, गौरी, काली, हैमावती, ईश्वरी इन्हीं के अन्य पवित्र नाम भी उल्लेखित हैं। शक्तिवाद में उन्हें शक्ति या दुर्गा, जिसमें भद्रकाली और चंडिका भी उच्चारित किया जाता है। यजुर्वेद के तैत्तिरीय आरण्यक में उनका उल्लेख प्रथमतः किया है।

स्कंद पुराण में उल्लेख है कि वे परमेश्वर के नैसर्गिक क्रोध से उत्पन्न हुई थी, जिन्होंने देवी पार्वती द्वारा दिए गये सिंह पर आरूढ़ होकर महिषासुर का वध किया था। वे शक्ति की आदि रूपा है, जिसका उल्लेख पाणिनि पर पतांजलि के महाभाष्य में किया गया है, जिसे दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व में लिखी गयी थी। उनका वर्णन देवी-भागवत पुराण,और मार्कंडेय ऋषि द्वारा रचित मार्कंडेय पुराण के देवी महात्म्य में किया गया है जिसे 400 से 500 ईसा में लिपि बद्ध किया गया था। बौद्ध और जैन ग्रंथों और कई तांत्रिक ग्रंथों, विशेष रूप से कालिका-पुराण (10वीं शताब्दी) में उनका उल्लेख है, जिसमें उद्यान या उड़ीसा में देवी कात्यायनी और भगवान जगन्नाथ का स्थान बताया गया है।परंपरागत रूप से देवी दुर्गा की तरह वे लाल रंग से जुड़ी हुई हैं। नवरात्रि उत्सव के षष्ठी में उनकी पूजा की जाती है। उस दिन साधक का मन आज्ञा चक्र में स्थित होता है। योगसाधना में इस आज्ञा चक्र का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। इस चक्र में स्थित मन वाला साधक माँ कात्यायनी के चरणों में अपना सर्वस्व निवेदित कर देता है। परिपूर्ण आत्मदान करने वाले ऐसे भक्तों को सहज भाव से माँ के दर्शन प्राप्त हो जाते हैं।माँ का नाम कात्यायनी कैसे पड़ा इसकी भी एक कथा है- कत नामक एक प्रसिद्ध महर्षि थे। उनके पुत्र ऋषि कात्य हुए। इन्हीं कात्य के गोत्र में विश्वप्रसिद्ध महर्षि कात्यायन उत्पन्न हुए थे। इन्होंने भगवती पराम्बा की उपासना करते हुए बहुत वर्षों तक बड़ी कठिन तपस्या की थी। उनकी इच्छा थी माँ भगवती उनके घर पुत्री के रूप में जन्म लें। माँ भगवती ने उनकी यह प्रार्थना स्वीकार कर ली।

कुछ समय पश्चात जब दानव महिषासुर का अत्याचार पृथ्वी पर बढ़ गया तब भगवान ब्रह्मा, विष्णु, महेश तीनों ने अपने-अपने तेज का अंश देकर महिषासुर के विनाश के लिए एक देवी को उत्पन्न किया।

महर्षि कात्यायन ने सर्वप्रथम इनकी पूजा की। इसी के फलस्वरुप यह कात्यायनी कहलाईं।ऐसी भी कथा मिलती है कि ये महर्षि कात्यायन के वहाँ पुत्री रूप में उत्पन्न हुई थीं।

आश्विन कृष्ण चतुर्दशी को जन्म लेकर शुक्त सप्तमी, अष्टमी तथा नवमी तक तीन दिन इन्होंने कात्यायन ऋषि की पूजा

ग्रहण कर दशमी को महिषासुर का वध किया था।माँ कात्यायनी अमोघ फलदायिनी हैं। भगवान कृष्ण को पतिरूप में पाने के लिए ब्रज की गोपियों ने इन्हीं की पूजा कालिन्दी-यमुना के तट पर की थी। ये ब्रजमंडल की अधिष्ठात्री देवी के रूप में प्रतिष्ठित हैं।माँ कात्यायनी का स्वरूप अत्यंत तेजस्वी और भास्वर है। इनकी चार भुजाएँ हैं। माता जी का दाहिनी तरफ का ऊपर वाला हाथ अभय मुद्रा में तथा नीचे वाला वरमुद्रा में है। बाईं तरफ के ऊपरवाले हाथ में तलवार और नीचे वाले हाथ में कमल-पुष्प सुशोभित है। इनका वाहन सिंह है।माँ कात्यायनी की भक्ति और उपासना द्वारा मनुष्य को बड़ी सरलता से अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष चारों फलों की प्राप्ति हो जाती है। वह इस लोक में स्थित रहकर भी अलौकिक तेज और प्रभाव से युक्त हो जाता है।

नवरात्रि का छठा दिन माँ कात्यायनी की उपासना का दिन होता है।

इनके पूजन से अद्भुत शक्ति का संचार होता है व दुश्मनों का संहार करने में ये सक्षम बनाती हैं।

इनका ध्यान गोधुली बेला में करना होता है। प्रत्येक सर्वसाधारण के लिए आराधना योग्य यह श्लोक सरल और स्पष्ट है। माँ जगदम्बे की भक्ति पाने के लिए इसे कंठस्थ कर नवरात्रि में छठे दिन इसका जाप करना चाहिए।

या देवी सर्वभूतेषु शक्ति रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥अर्थः हे माँ !
सर्वत्र विराजमान और शक्ति - रूपिणी प्रसिद्ध अम्बे, आपको मेरा बार-बार प्रणाम है।

या मैं आपको बारंबार प्रणाम करता हूँ।इसके अतिरिक्त जिन कन्याओ के विवाह में विलम्ब हो रहा हो,
उन्हें इस दिन माँ कात्यायनी की उपासना अवश्य करनी चाहिए,
जिससे उन्हे मनोवान्छित वर की प्राप्ति होती है। विवाह के लिये कात्यायनी मन्त्र-

ॐ कात्यायनी महामाये महायोगिन्यधीश्वरि !
नंदगोपसुतम् देवि पतिम् मे कुरुते नमः।।

माँ को जो सच्चे मन से याद करता है उसके रोग, शोक, संताप, भय आदि सर्वथा विनष्ट हो जाते हैं। जन्म-जन्मांतर के पापों को विनष्ट करने के लिए माँ की शरणागत हो कर उनकी पूजा-उपासना के लिए तत्पर होना चाहिए।

जय माता कात्यायनी की जय

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

संजीव ठाकुर
चौबे कॉलोनी,रायपुर, छत्तीसगढ़

महिला सशक्तिकरण के हिमायती थे डा.अम्बेडकर

हर वर्ष 14 अप्रैल को बाबासाहेब डा.भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती मनायी जाती है। बाबासाहेब की जयन्ती पर लोगों को संकल्प लेना चाहिये कि हम सब सच्चे मन से उनके बताये मार्ग का अनुशरण करेगें। उनके बनाये संविधान का पालन करेगें। ऐसा कोई काम नहीं करेगें जिससे देश के किसी कानून का उल्लघंन होता हो। चूंकि बाबासाहेब हमेशा जाति प्रथा, ऊंच नीच की बातों के विरोधी थे। इसलिये उनकी जयन्ती पर उनको श्रधांजली देने का सबसे अच्छा तरीका है उनके सिद्धांतो को अपने जीवन में अपनाये।

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के मऊ में एक गरीब परिवार मे हुआ था। वो भीमराव रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई की 14 वीं सन्तान थे। उनका परिवार मराठी था जो महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले मे स्थित अम्बावडे नगर से सम्बंधित था। उनके बचपन का नाम रामजी सकपाल था। वे हिंदू महार जाति के थे जो अछूत कहे जाते थे। उनकी जाति के साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था। एक अस्पृश्य परिवार में जन्म लेने के कारण उनको बचपन कष्टों में बिताना पड़ा था।

बाबा साहब का मानना था कि वर्गहीन समाज गढने से पहले समाज को जाति विहीन करना होगा। आज महिलाओं को अधिकार दिलाने के लिए हमारे पास जो भी संवैधानिक सुरक्षाकवच, कानूनी प्रावधान और संस्थागत उपाय मौजूद हैं। इसका श्रेय किसी एक मनुष्य को जाता है वे हैं डॉ. भीमराव अम्बेडकर। भारतीय संदर्भ में जब भी समाज में व्याप्त जाति, वर्ग और लिंग के स्तर पर व्याप्त असमानताओं और उनमें सुधार के मुद्दों पर चिंतन हो तो डॉ. आंबेडकर के विचारों और दृष्टिकोण को शामिल किए बिना बात पूरी नहीं हो सकती।

भारतीय संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव अम्बेडकर का सपना था कि भारत जाति-मुक्त हो, औद्योगिक राष्ट्र बने, सदैव लोकतांत्रिक बना रहे। लोग आम्बेडकर को एक दलित नेता के रूप में जानते है। जबकि उन्होने बचपन से ही जाति प्रथा का खुलकर विरोध किया था। उन्होने जातिवाद से मुक्त आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ भारत का सपना देखा था। मगर देश की गन्दी राजनीति ने उन्हे सर्वसमाज के नेता के बजाय दलित समाज का नेता के रूप में स्थापित कर दिया। डा.अम्बेडकर का एक और सपना भी था कि दलित धनवान बनें। वे हमेशा नौकरी मांगने वाले ही न बने रहें अपितु नौकरी देने वाले भी बनें।

भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो अम्बेडकर संभवतः पहले अध्येता रहे हैं। जिन्होंने जातीय संरचना में महिलाओं की स्थिति को समझने की कोशिश की थी। उनके संपूर्ण विचार मंथन के दृष्टिकोण में सबसे महत्वपूर्ण मंथन का हिस्सा महिला सशक्तिकरण था। अम्बेडकर यह बात समझते थे कि स्त्रियों की स्थिति सिर्फ ऊपर से उपदेश देकर नहीं सुधरने वाली, उसके लिए कानूनी व्यवस्था करनी होगी। हिंदू कोड बिल महिला सशक्तिकरण का असली आविष्कार है। इसी कारण आंबेडकर हिंदू कोड बिल लेकर आये थे। हिंदू कोड बिल भारतीय महिलाओं के लिए सभी मर्ज की दवा थी। पर अफसोस यह बिल संसद में पारित नहीं हो पाया और इसी कारण अम्बेडकर ने कानून मंत्री पद का इस्तीफा दे दिया था। स्त्री सरोकारों के प्रति डॉ भीमराव अम्बेडकर का समर्पण किसी जुनून से कम नहीं था।

डा.भीमराव अम्बेडकर का मानना था कि भारतीय महिलाओ के पिछड़ेपन की मूल वजह भेदभावपूर्ण समाज व्यवस्था और शिक्षा का अभाव है। शिक्षा में समानता के संदर्भ में अंबेडकर के विचार स्पष्ट थे। उनका मानना था कि यदि हम लड़कों के साथ-साथ लड़कियों की शिक्षा पर ध्यान देने लग जाए तो प्रगति कर सकते है। शिक्षा पर किसी एक ही वर्ग का अधिकार नहीं है। समाज के प्रत्येक वर्ग को शिक्षा का समान अधिकार है। नारी शिक्षा पुरुष शिक्षा से भी अधिक महत्वपूर्ण है। चूंकि पूरी पारिवारिक व्यवस्था की धुरी नारी है उसे नकारा नहीं जा सकता है। अम्बेडकर के प्रसिद्ध मूलमंत्र की शुरुआत ही 'शिक्षित करो' से होती है। इस मूलमंत्र की पालना से आज कितनी ही महिलाएं शिक्षित होकर आत्मनिर्भर बन रही है।

जब 15 अगस्त 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली नई सरकार बनी तो उसमें डा.अम्बेडकर को देश का पहले कानून मंत्री नियुक्त किया गया। 29 अगस्त 1947 को डा.अम्बेडकर को स्वतंत्र भारत के नए संविधान की रचना कि लिए बनी संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष नियुक्त किया गया। 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा ने उनके नेतृत्व में बने संविधान को अपना लिया। अपने काम को पूरा करने के बाद बोलते हुए डा.अम्बेडकर ने कहा मैं महसूस करता हूं कि भारत का संविधान साध्य है, लचीला है पर साथ ही यह इतना मजबूत भी है कि देश को शांति और युद्ध दोनों समय जोड़ कर रखने में सक्षम होगा। मैं कह सकता हूं कि अगर कभी कुछ गलत हुआ तो इसका कारण यह नही होगा कि हमारा संविधान खराब था बल्कि इसका उपयोग करने वाला मनुष्य ही गलत था। अम्बेडकर ने 1952 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप मे लोक सभा का चुनाव लड़ा पर हार गये। मार्च 1952 मे उन्हें राज्य सभा के लिए मनोनित किया गया। अपनी मृत्यु तक वो उच्च सदन के सदस्य रहे।

बाबा साहेब अम्बेडकर कुल 64 विषयों में मास्टर थे। वे हिन्दी, पाली, संस्कृत, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, मराठी, पर्शियन और गुजराती जैसे 9 भाषाओं के जानकार थे। इसके अलावा उन्होंने लगभग 21 साल तक विश्व के सभी धर्मों की तुलनात्मक रूप से पढाई की थी। डॉक्टर आम्बेडकर अकेले ऐसे भारतीय है जिनकी प्रतिमा लंदन संग्राहलय में कार्ल मार्क्स के साथ लगाई गई है। इतना ही नहीं उन्हें देश विदेश में कई प्रतिष्ठित सम्मान भी मिले है। भीमराव अंबेडकर के पास कुल 32 डिग्री थी। डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर के निजी पुस्तकालय राजगृह में 50 हजार से भी अधिक किताबें थी। यह विश्व का सबसे बडा निजी पुस्तकालय था। डा.अम्बेडकर ने 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में अपने लाखों समर्थकों के साथ एक सार्वजनिक समारोह में एक बौद्ध भिक्षु से बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया। राजनीतिक मुद्दों से परेशान अम्बेडकर का स्वास्थ्य बिगड़ता चला गया। 6 दिसम्बर 1956 को अम्बेडकर की नींद में ही दिल्ली स्थित उनके घर मे मृत्यु हो गई। 7 दिसम्बर को बम्बई में चौपाटी समुद्र तट पर बौद्ध शैली मे उनका अंतिम संस्कार किया गया जिसमें उनके हजारों समर्थकों, कार्यकर्ताओं और प्रशंसकों ने भाग लिया। 1990 में बाबासाहेब डा.अम्बेडकर को भारत रत्न से सम्मानित किया गया। सरकारों की उपेक्षा के चलते बाबा साहेब को भारत रत्न सम्मान बहुत देर से प्रदान किया गया। जिसके वे सबसें पहले हकदार थे।

अम्बेडकर के दिल्ली स्थित 26 अलीपुर रोड के उस घर में एक स्मारक स्थापित किया गया है जहां वो सांसद के रूप में रहते थे। देश भर में अम्बेडकर जयन्ती पर सार्वजनिक अवकाश रखा जाता है। अनेको सार्वजनिक संस्थानो का नाम उनके सम्मान में उनके नाम पर रखा गया है। अम्बेडकर का एक बड़ा चित्र भारतीय संसद भवन में लगाया गया है। हर वर्ष 14 अप्रैल व 6 दिसम्बर को मुम्बई स्थित उनके स्मारक पर हर साल काफी लोग उन्हे अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आते हैं। बाबा साहब ने शिक्षित बनों, संगठित रहो तथा संघर्ष करो का नारा दिया था। शिक्षित बनने का अर्थ है कि हमारे ज्ञान के द्वार खुलते हैं और संगठित रहो का मतलब शक्ति प्राप्त करना हैं।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू,राजस्थान

एक बात समझ लीजिये

कुछ भी समझो और कुछ भी जानो केवल तभी जब हम प्रयास नहीं करते जैसे कि जो इस धरती पर रहने के लायक नहीं हैं हम बदलते हैं यदि इस धरती पर रहने का कोई गुण नहीं है तो क्या होगा?स्वर्ग में रहने के लिए इतना ही बहुत से लोग आकांक्षी हैं क्या ऐसा है? यह पता चला कि यहाँ कोई प्रश्न नहीं है...क्या ऐसा है?

ओत्तेरी सेल्वा कुमार
चेन्नई,तमिलनाडु

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

मोर गांव के शीतला दाई

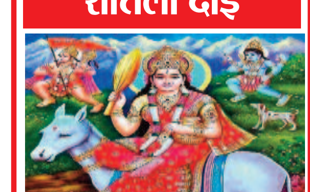

तरिया के पार म
विराजे हस तेहा ओ दाई।
बड़ा सुग्घर लागे तोर
भुवना ह शीतला माई।।
चइत क्वांर के महीना म
इहां जोत जलत हे।
दाई ह सबके मनोकामना ल
पूरा करत हे।।
सुग्घर सजे हे दाई
आज तोर अंगना दूवारी।
संझा बिहनिया तोर
पूजा करत हे पुजारी।
सेवा गवइया मन
आके सेवा ल तोर गावत हे।
तोला ओ मइया
सब झन मिल के मनावत हे।।
झूलना म बइठे हस
सब तोला झूलावत हे।
तोर सुग्घर रूप ह
मइया मन ल भावत हे।।
हे! मइया सब तोला
सोलह सिंगार चढ़ावत हे।
आशीष देबे ओ मइया
सब तोर पइया परत हे।।
तोर दर्शन पाय बर
सब भक्त मन आवत हे।
मइया ह सब के
दुःख दर्द ल दूर करत हे।।
तय कब आबे मइया
मोर घर दुवारी अंगना।
दर्शन पाय बर दाई मोर
तरसत हवय नयना।।

श्याम सुंदर साहू
राजिम जिला
गरियाबंद
छत्तीसगढ़

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

पानी के संकट से जूझते लोग

बेंगलुरु में भीषण पेयजल संकट पिछले कुछ दिनों से अंतरराष्ट्रीय सुर्खियां बन रहा है। हाल ही में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि बेंगलुरु को हर दिन 500 मिलियन लीटर पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है, जो शहर की कुल दैनिक मांग का लगभग पांचवा हिस्सा है।हालांकि, पानी की कमी केवल बेंगलुरु तक ही सीमित नहीं है। संपूर्ण कर्नाटक के साथ ही तेलंगाना और महाराष्ट्र के निकटवर्ती क्षेत्र भी पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। इसका अधिकांश संबंध पिछले एक वर्ष में इस क्षेत्र में सामान्य से कम वर्षा और इस क्षेत्र में भूमिगत जलभृतों की प्रकृति से है।अरबों-खरबों रुपया जल संसाधन के संरक्षण एवं प्रबंधन पर आजादी के बाद खर्च किया जा चुका है। बावजूद हालात ये हैं कि भारत के सर्वाधिक वष्रा वाले क्षेत्र चेरापूंजी (मेघालय) तक में पीने के पानी का संकट है। कभी श्रीनगर (कश्मीर) बाढ़ से तबाह होता है, कभी मुंबई और गुजरात के शहर और बिहार-बंगाल का तो कहना ही क्या। हर मानसून में वहां बरसात का पानी भारी तबाही मचाता है। दरअसल, सारा संकट पानी के प्रबंधन की आयातित तकनीक अपनाने के कारण हुआ है वरना भारत का पारंपरिक ज्ञान जल संग्रह के बारे में इतना वैज्ञानिक था कि यहां पानी का कोई संकट ही नहीं था। पारंपरिक ज्ञान के चलते अपने जल से हम स्वस्थ रहते थे।हमारी फसल और पशु सब स्वस्थ थे। पौराणिक ग्रंथ हरित संहिता' में 36 तरह के जल का वर्णन आता है जिसमें वर्षा के जल को पीने के लिए सर्वोत्तम बताया गया है, और जमीन के भीतर के जल को सबसे निकृष्ट यानी 36 के अंक में इसका स्थान 35वां आता है। 36वें स्थान पर दरिया का जल बताया गया है। दुर्भाग्य देखिए, आज लगभग पूरा भारत जमीन के अंदर से खींचकर ही पानी पी रहा है जिसके अनेक नुकसान सामने आ रहे हैं। पहला तो इस पानी में फ्लोराइड की मात्रा तय सीमा से कहीं ज्यादा होती है, जो अनेक रोगों का कारण बनती है। इससे खेतों की उर्वरता घटती जा रही है, और खेत की जमीन क्षारीय होती जा रही है। लाखों हेक्टेयर जमीन हर वर्ष भूजल के अविवेकपूर्ण दोहन के कारण क्षारीय बन खेती के लिए अनुपयुक्त हो चुकी है। दूसरी तरफ बेदर्दी से पानी खींचने के कारण भूजल स्तर तेजी से नीचे घटता जा रहा है। हमारे बचपन में हैंडपंप को बिना बोरिंग किए कहीं भी गाढ़ दो, तो 10 फीट नीचे से पानी निकल आता था जो आज सैकड़ों फीट नीचे चला गया। भविष्य में वो दिन भी आएगा, जब एक गिलास पानी 1000 रुपये का बिकेगा क्योंकि इसे रोका न गया तो इस तरह तो भूजल स्तर हर वर्ष तेजी से गिरता चला जाएगा। आधुनिक वैज्ञानिक और नागरीय सुविधाओं के विशेषज्ञ दावा करते हैं कि केंद्रीकृत टंकियों से पाइपों के जरिए भेजा गया पानी ही सबसे सुरक्षित होता है पर यह दावा अपने आप में जनता के साथ धोखा है। इसके कई प्रमाण मौजूद हैं जबकि वर्षा का जल जब कुंडों, कुओं, पोखरों, दरियाओं और नदियों में आता था, तो सबसे ज्यादा शुद्ध होता था। इन सबके भर जाने से भूजल का स्तर भी ऊंचा बना रहता था।जमीन में नमी रहती थी। उससे प्राकृतिक रूप में फल, फूल, सब्जी और अनाज भरपूर मात्रा में और उच्च कोटि के पैदा होते थे पर बोरवेल लगाकर भूजल के इस पाकि दोहन ने ये सारी व्यवस्थाएं नष्ट कर दीं। पोखर और कुंड सूख गए क्योंकि उनके जल संग्रह क्षेत्रों पर भवन निर्माण कर लिए गए हैं। वृक्ष काट दिए गए जिससे बादलों का बनना कम हो गया। नदियों और दरियाओं में औद्योगिक और रासायनिक कचरा और सीवरलाइन का गंदा पानी बिना रोक-टोक हर शहर में खुलेआम डाला जा रहा है जिससे नदियां मृत हो चुकी हैं। इसलिए देश में लगातार जल का संकट बढ़ता जा रहा है। जल का यह संकट आधुनिक विकास के कारण पूरी पृथ्वी पर फैल चुका है। वैसे तो हमारी पृथ्वी का 70 फीसद हिस्सा जल से भरा है पर इसका 97.3 फीसद जल खारा है। मीठा जल कुल 2.7 फीसद है जिसमें से केवल 22.5 फीसद जमीन पर है, शेष ध्रुवीय क्षेत्रों में। इस उपलब्ध जल का 60 फीसद खेत और कारखानों में खप जाता है, शेष हमारे उपयोग में आता है यानी दुनिया में उपलब्ध 2.7 फीसद मीठे जल का भी केवल एक फीसद हमारे लिए उपलब्ध है, और उसका भी संचय-प्रबंधन विवेक से न करके हम उसका भारी दुरुपयोग कर रहे हैं, और उसे प्रदूषित कर रहे हैं।अनुमान लगाया जा सकता है कि हम अपने लिए कितनी बड़ी खाई खोद रहे हैं। जल संचय-संरक्षण को लेकर आधुनिक विकास मॉडल के विपरीत जाकर वैदिक संस्कृति के अनुरूप नीति बनानी पड़ेगी। तभी हमारा जल, जंगल, जमीन बच पाएगा वरना तो ऐसी भयावह स्थिति आने वाली है, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। जो ठोकर खा कर संभल जाए उसे अक्लमंद मानना चाहिए। पर जो ठोकर खाकर भी न संभले और बार-बार मुंह के बल गिरता रहे,उसे महामूर्ख या नशेड़ी समझना चाहिए। हिन्दुस्तान के शहरों में रहने वाले हम लोग दूसरी श्रेणी में आते हैं। हम देख रहे हैं कि हर दिन पानी की किल्लत बढ़ती जा रही है। यह भी देख रहे हैं कि जमीन के अंदर पानी का स्तर घटता जा रहा है। हम अपने शहर और कस्बों में तालाबों को सूखते हुए भी देख रहे हैं। अड़ौस-पड़ौस के हरे-भरे पेड़ों को गायब होता भी देख रहे हैं। पर ये सब देख कर भी मौन हैं। जब नल में पानी नहीं आता तब घर की सारी व्यवस्था चरमरा जाती है। बच्चे स्कूल जाने को खड़े हैं, और नहाने को पानी नहीं है। नहाना और कपड़े धोना तो दूर पीने के पानी तक का संकट बढ़ता जा रहा है। जो पानी मिल भी रहा है, उसमें तमाम तरह के जानलेवा रासायनिक मिले हैं।ये रासायनिक कीटनाशक दवाइयों और खाद के रिस कर जमीन में जाने के कारण पानी के स्रेतों में घुल गए हैं। अगर यूं कहा जाए कि चारों तरफ से आफत के पास आते खतरे को देख कर भी हम बेखबर हैं, तो अतिश्योक्ति न होगी। पानी का संकट इतना बड़ा हो गया है कि कई टीवी चैनलों ने देश के कोने-कोने का समाचार नियमित देना शुरू कर दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर हमने का ढर्रा नहीं बदला, तो आने वाले वर्षों में पानी के संकट से जूझते लोगों के बीच हिंसा बढना आम बात होगी।

-विनीत नारायण-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

ग्राम सुखरी भंडार में अवैध कोयला खदान धसकने से दो लोगों की मौत

सरगुजा जिले के वन परिक्षेत्र उदयपुर में अवैध कोयला खदान का है मामला

- संवाददाता -
उदयपुर, 13 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

उदयपुर के ग्राम सानीबर्रा सुखरी भंडार जंगल स्थित अवैध कोयला खदान धसने से 2 नाबालिगों की दबकर मौत हो गई। शनिवार की सुबह कुछ 2 नाबालिग व एक युवक अवैध रूप से कोयला निकाल रहे थे, इसी दौरान यह हादसा हो गया। सूचना मिलते ही वन विभाग व पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और खदान में दबे लोगों को बाहर निकाला। पुलिस ने शवों को उदयपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पीएम के लिए भिजवाया है।

ग्राम सुखरी भंडार के तीन लडक़े अवैध कोयला खदान में खनन के लिए गए और शनिवार को एक बड़े हादसे का शिकार हो गए। तीन में से दो लडक़े जो कुंआ जैसे खाई में घुसे हुए थे उसमें से एक भी बाहर नहीं आया और उनके साथ ही जो बाहर था उसने ग्रामीणों को और मृतक के परिजनों को सूचना दी की कोयला खदान धसकने से दो लोगों की मौत हो गई है। घटना से ग्राम में अफरा तफरी मच गई सभी लोग दौड़े भागे कोयला खदान के समीप पहुंचे और मिट्टी में दबे दोनों युवकों को जिसमें एक नाबालिक भी शामिल है उसे निकालकर बाहर लाए तब तक उनकी सांस रूक चुकी थी।

थाना में मृतक के परिजन बालसाय मझवार एवं जेठू मझवार निवासी सुखरी भंडार थाना आकर सूचना दिए की उनका लडक़ा तिरंगा मझवार 17 साल एवं बुधलाल मझवार 20 साल एवं लक्ष्मण मझवार निवासी सुखरी भंडार दिनांक 12 4 2024 को शाम को केरा झरिया गुफा में कोयला निकालने गए थे जो कोयला निकालते वक्त शाम पांच बजे करीब ऊपर से मिट्टी धसक जाने से बुधलाल मझवार एवं तिरंगा मझवार मिट्टी में दब गए तथा लक्ष्मण मझवार बाहर खड़ा होने से बच गया जो गांव जाकर ग्रामीणों को घटना की जानकारी देने पर ग्रामीण जाकर दोनों को मिट्टी से बाहर निकाल कर घर लाए दोनों की मृत्यु शुक्रवार शाम को ही हो गई थी। शनिवार को दोनों के पिताजी थाना आकर मर्ग की सूचना दिए जिस पर थाना उदयपुर में मर्ग कायम कर जांच में लिया गया है। पुलिस जांच के दौरान घटना स्थल का निरीक्षण करने पर पाया कि गुफा के अंदर कोयला का पट्टी है जिसे निकालने मृतक गए थे कोयला निकालते वक्त ऊपर से मिट्टी गिर जाने से दोनों घायल होकर दबे थे जिसे घर लाने पर उनकी मृत्यु हो गई।

वन विभाग ने एक दिन पूर्व ही दी थी समझाइश

घटना से एक दिन पूर्व 11 अप्रैल को वन विभाग के द्वारा मीटिंग लेकर कोयला ना निकालने की चेतावनी ग्रामीणों को दी गई थी। उसके बाद भी दोनों लडक़े कोयला निकालने के लिए गुफा में प्रवेश किए थे और ठीक उसके दूसरे दिन यह दर्दनाक हादसा हो गया। हादसे के बाद से ग्राम में मातम पसरा हुआ है दोनों ही युवकों के समूह को पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक कुमारी चंद्राकर एसआई विजय गुप्ता, आरक्षक रामकुमार सक्रिय रहे।

समर कैंप में खेल के माध्यम से बच्चों को दी जाएगी विविधि जानकारी

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

शिक्षकों का संकुल स्तरीय समर कैंप प्रशिक्षण हाई स्कूल करेया में संकुल प्राचार्य काकुली गांगुली एवं संकुल समन्वयक निरंजन विश्वास की उपस्थिति में मास्टर ट्रेनर अजीम प्रेमजी फाउंडेशन सुजीत द्वारा दिया गया।

छात्र-छात्राओं के परीक्षा उपरांत 12 दिवसीय समर कैंप का आयोजन शासन के निर्देशानुसार सभी शालाओं में बच्चों को खेल-खेल के माध्यम से भाषा एवं गणित विषय की दक्षता को बढ़ाने हेतु समूह कार्य, सृजनात्मक एवं नेतृत्व क्षमता के विकास का प्रयास करना है। बच्चों में विभिन्न माध्यमो से जैसे चार्ट पेपर, समाचार पत्र, पत्तियां, मिट्टी, कलर से विभिन्न आकृति एवं चित्रकारी आदि कराकर बच्चों को सृजनात्मक कार्यों से जोड़ते हुए व्यवहारिक कौशल को बढ़ावा देना मुख्य रूप से शामिल होगा। संकुल समन्वयक निरंजन विश्वास ने प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए बताया की ÷समर कैंप के माध्यम से विद्यालय एवं समुदाय के बीच परस्पर संबंध को बढ़ावा मिलेगा क्योंकि परीक्षा उपरांत भी बच्चे विद्यालय में आकर 10 से 12 दिनों का समर कैंप में भाग ले रहे होंगे और अपने आसपास के बच्चों को सिखाने एवं विद्यालय से जोडऩे के लिए प्रेरित करेंगे। समर कैंप के अंतिम दिन अभिभावकों को बुलाकर एक प्रदर्शनी आयोजित किया जाएगा जिसमें बच्चों के रचनात्मक कार्यों को प्रदर्शित करने के उपरांत बच्चों को उनके कार्यों को अभिव्यक्त करने का मौका दिया जाएगा। संकुल स्तरीय समर कैंप प्रशिक्षण में जीवनधारी सिंह, अजय कुमार केरकेट्टा, ललन प्रताप कुशवाहा, शाहिद अंसारी, एफ्रेम मिंज, राजन बखला, नंदलाल राजवाड़े, मिली कुमारी तिर्की, विनीता मिंज, भारती साहू, मुनिका सिंह, नर्सपति सिंह, गीता अग्रवाल, शकुंतला बेहरा आदि शिक्षकगण शामिल थे।

मेडिकल बिल रिश्वतखोरी के मामले में सिविल सर्जन व लिपिक को नोटिस

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

जिला अस्पताल के सहायक ग्रेट तीन के कर्मचारी आदंन सिंह यादव पर मेडिकल बिल को पास करने के बदले रुपए लेने का आरोप था। मामले की जांच चल रही थी। जांच में रिश्वतखोरी की पुष्टि हुई है। मामले में संचालक स्वास्थ्य सेवा छत्तीसगढ़ शासन ने सिविल सर्जन डॉ. जेके रेलवानी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। स्वास्थ्य संचालक ने सिविल सर्जन को अवगत कराते हुए कहा है कि आपके कार्यालय में पदस्थ आदंन सिंह यादव द्वारा मेडिकल बिल पास कराने के नाम पर पैसा लेन-देन किया जाता रहा है। उनके कृत्यों के संबंध में अन्य विभागों के कर्मचारियों द्वारा शिकायत किए जाने के बावजूद भी आपके द्वारा कोई संज्ञान नहीं लिया गया। स्वास्थ्य संचालक ने सिविल सर्जन को कहा है कि इससे यह स्पष्ट होता है कि मामला संज्ञान में होते हुए भी आनंद सिंह यादव पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इससे शासन-प्रशासन में विभाग की छवि धूमिल हुई है। सिविल सर्जन का यह कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम का खुला उल्लंघन है। साथ ही उनके द्वारा पदीय दायित्वों का निष्ठापूर्वक पालन नहीं किया गया, यह कृत्य घोर लापरवाही का द्योतक है। सिविल सर्जन के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई को लेकर तीन दिवस के अंदर जबाब मांगा गया हैं। कलेक्टर विलास भोसकर ने सहायक ग्रेड तीन आनंद सिंह यादव को जारी नोटिस में उल्लेख किया है कि मेडिकल बिल पास करने के एवज में लेन-देन की शिकायत पर स्वास्थ्य संचालक ने जांच टीम का गठन किया था। राज्य स्तरीय समिति की जांच में चिकित्सा प्रतिपूर्ति देयक को स्वीकृत कराने के एवज में पैसों की मांग किए जाने के संबंध में राशि लेन-देन में दोषी पाया गया है। छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) के विपरीत कार्यव्यवहार पर लिपिक को तीन दिवस के अंदर जबाब प्रस्तुत करने कहा गया है। निर्धारित समयावधि में उत्तर प्राप्त नहीं होने पर एकपक्षीय कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

दो साल से फरार गांजा तस्कर गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

2 वर्ष से फरार चल रहे गांजा तस्कर को सीतापुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। आरोपी अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर गांजे की तस्करी करता था। वर्ष 2022 में तस्करी के दौरान दोनों आरोपियों ने पुलिस को देखकर ग्राम केरजू में कार छोडक़र मौके से फरार हो गए थे। पुलिस ने कार से दस किलो गांजा जब्त किया था। वहीं पुलिस ने इसके साथी को पूर्व में ही गिरफ्तार कर चुकी थी। वाहन चालक दो वर्ष से फरार चल रहा था।

वर्ष 2022 में सीतापुर डायल 112 को इवेंट आने पर ग्राम केरजू की ओर जा रहा था। इसी बीच रास्ते में पुलिस को देखकर कार सवार भागने लगे। पुलिस ने पीछा किया तो वाहन छोडक़र कार सवार फरार हो गए थे। पुलिस ने कार की तलाशी ली तो 10 किलो गांजा व एक एप्पल का मोबाइल पाया गया। वाहन सहित पुलिस ने गांजे को जब्त कर तस्करों की तलाशी कर रही थी। मामले में पूर्व में 1 आरोपी कों गिरफ्तार किया गया था। वहीं वाहन चालक पिछले दो वर्ष से फरार चल रहा था। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी चंदू साय पैकरा (37) डांगबांधी थाना तुमला जिला जशपुर का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

सिख समुदाय ने धूमधाम से मनाया बैसाखी का पर्व

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

सिख समाज द्वारा 13 अप्रैल को धूमधाम से बैसाखी पर्व मनाया गया। गुरु सिंह सभा अंबिकापुर में कई धार्मिक आयोजन किए गए। बैसाखी से सिखों के नए साल की शुरुआत होती है। इसी दिन सिख पंथ के गुरु गुरु गोविंद सिंह जी ने सन् 1699 में खालसा पंथ की स्थापना की थी। तभी से बैसाखी का त्योहार मनाया जाता है। इस अवसर पर गुरुद्वारा में सुबह 11 बजे से शब्द कीर्तन का आयोजन किया गया। कौर ग्रूप की महिलाओं द्वारा भी शब्द कीर्तन कर उपस्थित संगत को निहाल किया गया। सुबह से ही गुरुद्वारा में दर्शन के लिए संगत का तांता लगा रहा। कीर्तन और अरदास के पश्चात गुरु का अटूट लंगर संगत को बरताया गया। बड़ी संख्या में समाज के सभी वर्गों ने प्रसाद ग्रहण किया। गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा के प्रधान सरदार रघुवीर सिंह छाबड़ा ने समाज के सभी वर्गों को बैसाखी की बधाइयां दी है। कार्यक्रम का सफल आयोजन सचिव नरेंद्र सिंह भामरा ने किया। इस अवसर पर जितेंद्र सिंह सोढ़ी, महेंद्र सिंह टुटेजा और प्रितपाल सिंह अरोरा ने सिख समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाश रखा। इस अवसर पर चरणजीत सिंह छाबड़ा, गुरप्रीत सिंह बाबरा, तजिंदर सिंह धंजल, इंद्रजीत सिंह धंजल, अजय सिंह, हरमिंदर सिंह टिन्नी, गुरमीत सिंह जुनेजा, मंजीत सिंह छाबड़ा, रविंद्र सिंह टुटेजा सहित काफी लोग उपस्थित थे। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी जगदीप सिंह छाबड़ा रिंकू ने दी है।

दो पार्षदों ने शमशान घाट के लिए 2-2 लाख रुपए

बैसाखी पर्व के अवसर पर पार्षद पार्षद हरमिंदर सिंह टिन्नी ने पार्षद निधि से शमशान घाट के लिए 2 लाख और गुरुद्वारा के लिए 50 हजार रुपए दिए हैं। वहीं पार्षद अजय सिंह ने भी शमशान घाट के लिए 2 लाख रुपए दिए हैं।

साप्ताहिक बाजार भैसामुंडा में ठेका खतम होने के बाद भी लगातार मनमानी तरीकों से किया जा रहा अवैध वसूली

- संवाददाता -
प्रतापपुर, 13 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

प्रतापपुर ब्लॉक के अंतर्गत आने वाला साप्ताहिक बाजार भैसामुंडा जो की काफी बड़ा बाजार लगता है लेकिन सारे नियमों को ताक में रखकर ग्राम पंचायत केवरा के द्वारा किया जा रहा लागातार अवैध वसूली साप्ताहिक बाजार का टेका नियम के अनुसार सिर्फ एक साल के एग्रीमेंट के साथ ही रहता है जो की इसका 31मार्च तक ठेका समाप्त हो गया है मगर केवरा ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों और सचिवों के द्वारा सारे नियमों की धज्जियां उड़ाकर करवाया जा रहा धड़ल्ले से मनमाना वसूली जिससे बाजार में आने वाले छोटे-बड़े व्यापारियों किसान में काफी नाराजगी एवं आक्रोश फैला गया है जिससे लोगों में तनाव की स्थिति बनी हुई है

ग्राम पंचायत केवरा के सरपंच व सचिवो को ना तो लोगों का किसी प्रकार से परवाह ना लोगों की सहूलियत से कोई सरोकार इनलोग खुद को सीईओ समझने लगे है सिर्फ अपना मनमानी करना है पंचायत में इनलोगो के पास सिर्फ पैसा आनी चाहिए जेब भरनी चाहिए चाहे जहां से भी आय इसीलिए छोटेङ्क बड़े किसानों व व्यापारियों को शायद परेशान करके और धमका चमका के इसीलिए किया जा रहा है अवैध वसूली वही ग्राम पंचायत के सचिव साहब का कहना है की मेरे को कोई जानकारी नहीं है इसके बारे में ?

तो क्या वर्तमान में जो वसूली किया रहा है फिर इनको किनका संरक्षण प्राप्त है इनलोगो को एग्रीमेंट खत्म होने के बाद भी कर रहे अवैध वसूली ये जांच का विषय है जनपद पंचायत प्रतापपुर के सीईओ साहब को तत्काल संज्ञान में लेकर साप्ताहिक बाजार में भैंसामुंडा किया गया अवैध वसूली को तत्काल प्रभाव त्वरित कार्यवाही करते हुए ग्राम पंचायत से वापस ले लेनी चाहिए और इनके खिलाफ जबरदस्त कोई बड़ा कार्यवाही करनी चाहिए ताकि पूरे प्रतापपुर ब्लॉक में इससे एक अच्छा मैसेज चारों तरफ पहुंचे ताकि इस तरह से हो रहे भ्रष्टाचार से लोगों को बचाया जा सके

इस विषय में केवरा पंचायत के सचिव राम मूरत से चर्चा के दौरान बताया कि मुझे किसी प्रकार की जानकारी नहीं है की बाजार में ठेका समाप्ति के बाद पैसा वसूलने का शिकायत मिल रहा है मैं अपने उच्च अधिकारी लोग को बताऊंगा।

अंतर्राज्जीय बैरियर नवाटोला पर चेकिंग के दौरान अवैध शराब सहित 3 गिरफ्तार

- संवाददाता -
सूरजपुर, 13 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

उप पुलिस महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर एम. आर. आहिरे (भा.पु.से.) के द्वारा अवैध नशीली वस्तु गांजा शराब, नशीली दवाई एवं नशे के अन्य वस्तुओं के धंधे में लिप्त लोगों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने एवं आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर जिले में सुरक्षा व्यवस्था एवं प्रभावी चेकिंग करने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया है साथ ही बॉर्डर चेक पोस्ट सहित अंतर्राज्जीय सीमा में पुलिस व प्रशासन की एसएसटी टीम का 24 घंटे कड़ा पहरा लगा हुआ है और यहां से गुजरने वाली प्रत्येक वाहनों का बारीकी से चेकिंग की जा रही है।

इसी क्रम में दिनांक 11.04.2024 के रात्रि में अंतर्राज्जीय बैरियर नवाटोला में आने-जाने वाले वाहनों की सघन तलाशी ली जा रही है उसी दौरान मारूती ओमनी कार क्रमांक यूपी 64 एम 9356 वहां पहुंचा जिसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार से अवैध 198 नग गोवा अंग्रेजी शराब एवं 22 नग बियर केन कुल कीमत 24420 रूपये का पाया गया। मामले में धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर शराब व परिवहन में प्रयुक्त कार जप्त कर आरोपी प्रदीप जायसवाल पिता जगधारी उम्र 28 वर्ष, पार्वती जायसवाल पति प्रदीप जायसवाल उम्र 25 वर्ष दोनों निवासी ग्राम भाउखाड़, थाना माड़ा, जिला सिंगरौली मध्यप्रदेश व जसिंता गुर्जर पिता ईतलेश गुर्जर उम्र 30 वर्ष ग्राम बेदमी, थाना रमकोला को गिरफ्तार किया गया। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी चांदनी मनोज सिंह, एएसआई सुप्रियन टोप्पो, गुड्डु कुशवाहा, आरक्षक रविराज पाण्डेय, रूप प्रसाद राजवाड़े, महिला आरक्षक सुमन सिंह सहित एसएसटी टीम व अन्य अधिकारी-कर्मचारी सक्रिय रहे।

CMYK

सैन्यकर्मी पर छापेमारी से नाराज जवानों ने थाना घेरा, पुलिसवालों को बंधक बनाया

बहावलनगर/लाहौर, 13 अप्रैल 2024। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार और पाकिस्तान सेना ने शुक्रवार को एक सेवारत अधिकारी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस और सेना के जवानों के बीच चल रही जंग की जांच कराने का फैसला किया, ईद के दिन यह मुद्दा सोशल मीडिया का चर्चा का विषय बना रहा। गौरतलब है कि मदरसा पुलिस के स्टेशन हाउस अधिकारी समेत चार कर्मियों पर एक व्यक्ति और उसके दो बेटों को अधिकार के दुरुपयोग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

मामले में एक पुलिस एसएचओ निलंबित

इस मामले ने तूल पकड़ा और एक अन्य पुलिसकर्मी मारूट पुलिस एसएचओ को निलंबित कर दिया गया और सोशल मीडिया पर गलत सूचना प्रसारित करने के लिए उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू की गई है। गौरतलब है कि 10 अप्रैल को मदरसा पुलिस में इंस्पेक्टर सैफुल्लाह हनीफ की शिकायत पर दर्ज की गई एफआईआर में कहा गया है कि पूर्व एसआई/एसएचओ रिजवान अब्बास, एएसआई मोहम्मद नईम, कांस्टेबल मोहम्मद अब्बास और अली रजा ने मोहम्मद खलील और मोहम्मद इदरीस और उनके पिता मोहम्मद अनवर को गिरफ्तार किया, जिन्हें 8 अप्रैल को दर्ज हुई एफआईआर में नामित किया गया था।

बिना लाइसेंस की पिस्तौल रखने के आरोप में की थी छापेमारी

आरोपी पुलिसकर्मियों ने उन्हें मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने के बजाए 24 घंटे से अधिक समय तक थाने में हिरासत में रखा। सूत्रों के मुताबिक, एएसआई नईम और थानेदार रिजवान अब्बास ने सात अप्रैल को चक सरकारी निवासी मोहम्मद अनवर के बेटे रफाकत को बिना लाइसेंस की पिस्तौल रखने के आरोप में गिरफ्तार करने के लिए उसके घर पर छापेमारी की थी।

सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रही वीडियो

इस बीच, अनवर के बेटे मोहम्मद खलील, एक सैन्य अधिकारी, ने अपने भाई इदरीस और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ दो पुलिसकर्मियों को बंधक बना लिया। जल्द ही, पुलिस अधिकारियों को बंधक बनाए जाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया। इसी बीच, पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और थानेदार और एएसआई को मुक्त कराया और मोहम्मद अनवर और उसके बेटों खलील और इदरीस को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान पुलिस ने न केवल परिवार के सदस्यों को गंभीर यातनाएं दीं बल्कि घर में तोड़फोड़ भी की। इस हरकत का एक वीडियो भी वायरल हुआ।

बलूचिस्तान में आतंकियों का खौफ, बस रोककर यात्रियों को अगवा किया, फिर कार पर की गोलीबारी, 11 की मौत

बलूचिस्तान, 13 अप्रैल 2024। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में आतंकवादियों ने नौ बस यात्रियों समेत 11 लोगों की हत्या कर दी। पहली घटना में आतंकवादियों ने नोस्की जिले में हाईवे पर बस को रोका और बंदुक की नोक पर नौ लोगों का अपहरण कर लिया।

एक अधिकारी ने कहा, इन नौ लोगों का शव पास के पहाड़ी इलाके में पाया गया। उनके शरीर में गोली लगने के निशान थे। उन्होंने आगे बताया कि बस क्वेटा से ताफ्तान की तरफ जा रही थी। कुछ आतंकवादियों ने बस को रोककर उसमें से नौ लोगों को पहाड़ी इलाके की तरफ ले गए।

आतंकवादियों ने एक कार पर की गोलीबारी

वहीं एक अन्य घटना में उसी हाईवे पर एक कार पर गोलीबारी की गई, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में अन्य दो लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने कहा कि हाईवे पर 11 लोगों की मौत के जिम्मेदार आतंकवादियों को माफ नहीं किया जाएगा। उन्हें जल्द से जल्द पकड़ लिया जाएगा।

उन्होंने आगे बताया कि इस हमले में शामिल आतंकवादियों का पीछा किया जा रहा है। उनका (आतंकवादियों) एकमात्र उद्देश्य बलूचिस्तान की शांति को नष्ट करना है। गृह मंत्री मोहसीन नकवी ने भी इस हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा कि सरकार मृतकों के परिजनों के साथ खड़ी है।

बलूचिस्तान में बढ़ने लगे आतंकी हमले

फिलहाल किसी भी प्रतिबंधित आतंकी संगठनों ने इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है। बता दें कि पिछले कुछ समय से प्रांत में आतंकी हमले बढ़ने लगे हैं। इन हमलों में मुख्य रूप से सुरक्षा बलों को निशाना बनाया जा रहा है। प्रांत में हाल ही में माच शहर, ग्वादर बंदरगाह और तुरबत में एक नौसैनिक अड्डे में हुए तीन बड़े आतंकी हमलों की जिम्मेदारी प्रतिबंधित आतंकी संगठन बलूचिस्तान लिब्रेशन आर्मी ने ली थी। इन हमलों में सुरक्षा बलों ने 11 आतंकवादियों को मार गिराया था।

खैबर पख्तूनख्वा में हमले में दो जवान मारे गए, दो आंतकी भी ढेर; बारूद ब्लास्ट में तीन बच्चों की मौत

नई दिल्ली, 13 अप्रैल 2024। पाकिस्तान में एक बार फिर आतंकी घटनाओं की सूचना मिली है। खैबर पख्तूनख्वा में एक सेना और आतंकी मुठभेड़ में ईनामी आतंकवादी को ढ़ेर कर दिया, लेकिन इस बीच दो पाकिस्तानी जवान भी शहीद हो गए। वहीं खैबर पख्तूनख्वा में एक बारुद सुरंग ब्लास्ट में तीन बच्चों को जान चली गई। शनिवार को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में दो बड़ी घटनाएं हुईं। सुरक्षा दलों को सूत्रों से बुनेर जिले में आतंकवादियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। जिसमें 50 लाख का इनामी सरगना सलीम उर्फ रब्बानी भी शामिल था। सुरक्षा दलों ने इन्हें पकड़ने के लिए एक ऑपरेशन शुरू किया। जिसमें आतंकवादियों और सुरक्षा दलों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई। सुरक्षा दलों ने रब्बानी को मार गिराया। इसके साथ ही दो अन्य आतंकवादियों को भी मारा गिराया, लेकिन इस दौरान दो पाकिस्तानी सेना के जवानों को गोली लगी और वो शहीद हो गए।

जबरन वसूली और आतंकी गतिविधि में शामिल था रब्बानी

सेना की इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार रब्बानी के खिलाफ कई आतंकवादी गतिविधि करने, नागरिकों के साथ जबरन वसूली, साजिशन हत्या का आरोप था। उन्होंने बताया कि रब्बानी के सिर पर 50 लाख का इनाम भी था।

खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में बढ़ी है घटनाएं

सेना के अधिकारियों ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में पिछले दिनों आतंकी घटनाएं बहुत बढ़ चुकी है। उन्होंने बताया कि देश में कुल आतंकी घटनाओं में से 86 प्रतिशत इन दोनों जिलों में हुई हैं। दोनों जिलों की घटनाओं में जान गवांने वाले लोगों की संख्या पूरे देश की संख्या का 92 प्रतिशत है।

ब्लास्ट में तीन बच्चों की मौत, पूरे इलाके में मातम

वहीं शुक्रवार को एक बारुद सुरंग ब्लास्ट में तीन बच्चों की जान चली गई, एक अन्य घायल है। मंडकोई में आयोजित एक वॉलीबाल मैच को देखने के लिए बच्चे घर से निकले थे। रास्ते में किसी बारुद सुरंग के बटन के दबने से जोरदार धमाका हुआ, इसी में तीन बच्चों की जान गई। पुलिस ने बताया कि तीन बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक बच्चा घायल था। घायल बच्चे को उठाकर पास के डेरा इस्माइल खान के पास अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे में जान गवांने वाले बच्चों के परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं इस घटना से क्षेत्र में सन्नाटा पसरा हुआ है।

बता दें कि दक्षिण वजीरिस्तान में आतंकियों का गढ़ है। पुलिसकर्मी बारुद बिछाने वालों का खोजने में लगी हुई है।

चुनाव में धांधली को लेकर विपक्षी महागठबंधन का एलान, आज से सरकार के खिलाफ देशभर में आंदोलन

इस्लामाबाद, 13अप्रैल 2024। सरकार के विरोध में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) एक बड़ा अभियान छेड़ने वाली है। आठ फरवरी के चुनाव में कथित धांधली और जनादेश से छेड़छाड़ कर सरकार बनाने के खिलाफ पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने विपक्षी दलों के महागठबंधन के साथ मिलकर आज देशव्यापी आंदोलन का एलान किया।

महागठबंधन, जिसमें छह राजनीतिक दल शामिल हैं, की बैठक शुक्रवार देर रात शुरू हुई, जो शनिवार तक चली। इस दौरान तहरीक तहफुज्ज अईन-ए-पाकिस्तान (टीटीएपी) ने पाकिस्तान के संविधान की रक्षा के लिए एक आंदोलन में साथ देने का फैसला किया। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि विपक्षी गठबंधन के आंदोलन शुरू करने से संकेत मिलता है कि चुनाव के बाद शांति और राजनीतिक स्थिरता का सपना अधूरा ही रह जाएगा।

गठबंधन में यह पार्टियां

बता दें, पीटीआई ने उन पार्टियों के साथ गठबंधन किया है, जिन्होंने आठ फरवरी के चुनाव के नतीजों पर आपत्ति जताई थी। विरोध करने वाली पार्टियां बलूचिस्तान नेशनल पार्टी (बीएएनपी), पश्तूनख्वा मिल्ली आवामी पार्टी (पीएकेएमपी), जमात-ए-इस्लामी (जी), मुत्ताहिदा वहदत-उल-मुस्लिमीन (एमओएम) आदि हैं।

कई घंटों तक बैठक चली

बलूचिस्तान नेशनल पार्टी-मेंगल (बीएनपी-एम) के प्रमुख सरदार अख्तर मेंगल की अध्यक्षता में कई घंटों तक बैठक चली। इस दौरान फैसला लिया गया कि पश्तूनख्वा मिल्ली आवामी पार्टी (पीएकेएमपी) के प्रमुख महमूद खान अचकजई गठबंधन का नेतृत्व करेंगे। इसके अलावा, बैठक में सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल के अध्यक्ष साहिबजादा हामीद रजा खान, मजलिस वहादत मुस्लिमीन के प्रमुख राजा नसीर अब्बास और जमात ए इस्लामी के नेता लिकायत बलूच भी शामिल हुए।

यह आंदोलन करने का उद्देश्य

पीटीआई महासचिव उमर अयूब खान ने बैठक के बाद मीडिया को बताया कि आंदोलन करने का उद्देश्य देश में कानून का शासन बहाल करना है और इसे शनिवार से बलूचिस्तान के पिशिन इलाके से एक सार्वजनिक रैली के साथ शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा, सभी क्षेत्रों में बिगड़ते हालात के मद्देनजर सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी इच्छा से विपक्षी गठबंधन में शामिल हुए हैं।

उमर ने कहा कि आंदोलन आठ फरवरी के चुनाव में कथित धांधली और जनादेश से छेड़छाड़ कर सरकार बनाने के खिलाफ शुरू किया जा रहा है। बता दें, महागठबंधन चुनावी नतीजों को मानने से इनकार कर चुके हैं। अचकजई ने कहा कि गठबंधन सेना के खिलाफ नहीं है, लेकिन वे संविधान में दी गई उसकी राजनीतिक भूमिका के खिलाफ हैं।

शनिवार से जनसभाएं शुरू

अचकजई ने कहा, संविधान एक सामाजिक अनुबंध है और हम इसके बचाव के लिए शनिवार से जनसभाएं शुरू करेंगे। उन्होंने किसी भी नागरिक और सैन्य अधिकारियों की सेवा में विस्तार करने का भी विरोध किया है।

तनातनी के बीच ईरान ने किस जहाज को कब्जे में लिया, वह किसका और उस पर कितने लोग?

तेहरान, 13 अप्रैल 2024। ईरानी सेना ने इस्राइली अरबपति इयाल ओफर के मालवाहक जहाज पर कब्जा किया है। यह जहाज भारत की ओर आ रहा था और इसमें 17 भारतीय मौजूद हैं। भारत द्वारा इस बारे में लगातार ईरान से संपर्क किया जा रहा है। हम आपको इस जहाज के बारे में पूरी जानकारी दे रहे हैं।

इस्राइली अरबपति इयाल ओफर के इस मालवाहक जहाज का नाम एएससी एरीज है। आखिरी बार इस जहाज को शुक्रवार को दुबई से होर्मुज की तरफ जाते हुए देखा गया था। बताया गया है कि जहाज ने अपना ट्रैकिंग डेटा बंद किया हुआ था। दरअसल इस्राइल के जहाजों द्वारा इस क्षेत्र से गुजरते समय अक्सर ट्रैकिंग डेटा बंद कर दिया जाता है।

ईरानी सेना होर्मुज जलडमरूमध्य के पास यह कार्रवाई की। बताया जा रहा है कि यह जहाज अभी फारस की खाड़ी में मौजूद है। एमएससी एरीज पर पुर्तगाल का झंडा लगा हुआ है। इसमें कुल मिलाकर 25 क्रू मेंबर मौजूद हैं, जिनमें 17 भारतीय हैं। जहाज की आखिरी लोकेशन ओमान की खाड़ी में 21 घंटे 15 मिनट पहले मिली थी।

यह मालवाहक जहाज यूएई के खलीफा बंदरगाह से पश्चिमी भारत के नाह्वा शेवा बंदरगाह की तरफ आ रहा था। नाह्वा शेवा बंदरगाह को जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह के नाम से भी जाना जाता है। यह बंदरगाह मुंद्रा बंदरगाह के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा कंटेनर बंदरगाह है। खलीफा बंदरगाह की बात करें तो यह संयुक्त अरब अमीरात में अरब की खाड़ी में स्थित है।

वो खून का प्यासा चाकू लेकर लोगों के पीछे भाग रहा था

मॉल में हिंसा की वारदात पर बोले प्रत्यक्षदर्शी

सिडनी, 13 अप्रैल 2024। सिडनी के वेस्टफील्ड बॉन्डी जंक्शन मॉल में छह लोगों की हत्या और आठ लोगों को घायल करने वाले शख्स के सिर पर खून सवार था। प्रत्यक्षदर्शियों ने उस खौफनाक मंजर के बारे में मीडिया को जानकारी दी है। रीज कोलमेनारेस नाम की महिला का कहना है कि वह उन 20 लोगों में से एक थीं, जो हमले के दौरान एक हार्डवेयर स्टोर में छिप गए थे। उन्होंने कहा कि वो मंजर बहुत ही डरावना था।

'मैंने हमलावर को चाकू लेकर भागते देखा'

एक और प्रत्यक्षदर्शी प्रांजुल बोकारिया के अनुसार उन्होंने हमलावर को चाकू लेकर भागते हुए देखा। उन्होंने कहा कि जब वह काम से लौट रही थीं तो हिंसा शुरू हो गई थी। इसके बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद प्रांजुल ने अपनी जान बचाने के लिए एक कमरे में शरण ली। मॉल के अंदर कैफे में काम करने वाले एक व्यक्ति ने कहा कि मैंने उस खून के प्यासे हमलावर को चाकू लेकर लोगों के पीछे भागते हुए देखा।

कई लोगों की हत्या की फिराक में था हमलावर

एक और प्रत्यक्षदर्शी का कहना है कि हमलावर के पास एक बड़ा चाकू था। ऐसा लग रहा था वह कई लोगों की हत्या की फिराक में था। उन्होंनें एक पुलिस अधिकारी को हमलावर को गोली मारते देखा, जिसके बाद वह ढेर हो गया था। उन्होंने कहा कि अगर हमलावर को गोली नहीं मारी गई होती, तो वह और भी ज्यादा उग्र हो सकता था।

हमलावर की पहचान नहीं हो पाई

न्यू साउथ वेल्स पुलिस ने हमलावर की पहचान नहीं की लेकिन कहा है कि हमलावर की उम्र 40 वर्ष थी। इस हमले में आठ लोग घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों में एक बच्चा भी शामिल है। इस हमले में पांच महिलाओं और एक पुरुष की मौत हो गई। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने इस घटना को लकर एक्स पर दुख जताया है।

इस्राइल-ईरान में जंग के खतरे के बीच अमेरिका ने भूमध्य सागर में तैनात किया युद्धपोत

नई दिल्ली, 13 अप्रैल 2024। इस्राइल-हमास युद्ध के साथ अब इस्राइल-ईरान के बीच युद्ध का खतरा भी मंडरा रहा है। इस हमले से निपटने के लिए इस्राइल ने अपनी कमर कस ली है। दरअसल, हाल ही में सीरिया में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमला हुआ था। इसमें दो ईरानी जनरलों की मौत हो गई थी। इससे ही ईरान बौखलाया हुआ है और उसने हमले का आरोप इस्राइल पर लगाया है। साथ ही उसने जवाबी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है।

अमरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस्राइल को अलर्ट करते हुए कहा कि वह जल्द ही ईरान की तरफ से हमले की उम्मीद कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अगले 24 घंटों के भीतर ईरान की तरफ से यहूदी धरती पर ड्रोन और मिसाइल से हमले होने की संभावना है। ईरान के पास अपनी सीमाओं से 2000 किमी दूर तक अपने लक्ष्य पर हमला करने वाले बैलेस्टिक और क्रूज मिसाइलें हैं।

भूमध्य सागर में अमेरिका ने तैनात किया नौसेना विध्वंसक पोत

इस्राइल को बचाने के लिए अमेरिका ने मदद भेज दी है। भूमध्य सागर में अमेरिका ने अपनी नौसैनिक विध्वंसक पोत को तैनात किया है। एक यूएसएस कार्ने भी है, जिसे लाल सागर में हूती ड्रोन और जहाज रोधी मिसाइलों को रोकने के लिए तैनात किया गया था। अमेरिका ने क्षेत्र में युद्ध को रोकने के लिए अपने राजनायिक प्रयासों को भी दोगुना कर दिया है। अमेरिका स्विस चैनलों के माध्यम से लगातार ईरान को संदेश भेज रहा है। बाइडन ने अमेरिका सेंट्रल कमांड के अधिकारी जनरल माइकल कुरिला को वार्ता के लिए इस्राइल भेजा है।

क्या है मामला?

एक अप्रैल को सीरिया में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमला हुआ था। इससे दूतावास का एक खंड पूरी तरह ध्वस्त हो गया था। वहीं, ईरान के दो शीर्ष सैन्य जनरल और पांच अन्य अधिकारी भी मारे गए थे। इस हमले का ईरान इस्राइल पर आरोप लगा रहा है। साथ ही उसने जवाबी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है।

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई ने बुधवार को चेतावनी दी थी कि इस्राइल को सजा दी जानी चाहिए। उस पर इस्राइली विदेश मंत्री ने कहा था कि अगर ईरान हमला करता है तो हम कड़ा जवाब देंगे।

क्या रेहर कोल स्टॉक घोटाले में तत्कालीन जीएम अमित सक्सेना को बचाना चाहती है विजिलेंस...क्या विजिलेंस सीबीआई को कर रही गुमराह?

विजिलेंस से निष्पक्ष कोल स्टॉक गड़बड़ी की जांच व कार्यवाही की उम्मीद नहीं अब बस सीबीआई से भरोसा

- » क्या विश्रामपुर जीएम को बचाने का हो रहा प्रयास, खान प्रबंधक पर फूट सकता है पूरा कोल स्टॉक घोटाले ठीकरा?
- » रेहर कोल स्टॉक मामले को उजागर करने का श्रेय विजिलेंस तत्कालीन दोषी जीएम अमित सक्सेना को देकर बचाना चाहती है:सूत्र
- » विजिलेंस तत्कालीन जीएम को बचाने बता रही है मामला उजागर करने वाला जबकि मामला उजागर हुआ शिकायतकर्ता व घटती-घटना अखबार के प्रकाशन से
- » कार्यवाही होना तय है इस वजह से कोयल का दर भी काम बताया जा रहा है ताकि लागत कम हो जाए और जेल जाने से बच जाए दोसी अधिकारी:सूत्र
- » सीबीआई को काफी सूक्ष्मता से जांच करनी होगी मामले की ताकि बच ना सके दोषी तत्कालीन महाप्रबंधक विश्रामपुर
- » रेहर कोल स्टॉक घोटाले में जीएम, रिटायर सब एरिया व तत्कालीन खान प्रबंधक के हाथ काले
- » रिटायर सब एरिया का रुका लाखों का पेमेंट और वही जीएम व खान प्रबंधक पद पर आसीन
- » सीबीआई की तीन बार दबिश फिर भी कोल घोटाले में हाथ काले करने वाले जीएम व खान प्रबंधक पर मेहरबानी बरकरार?
- » विश्रामपुर एसईसीएल के वर्तमान जीएम एक कार्यकाल में कोल स्टॉप घोटाला व कोयले में मिट्टी व पत्थर मिलाने का शिकायत उच्च स्तर पर रही
- » क्या जांच टीम दोषियों के खिलाफ कराएगा एफआईआर दर्ज?
- » जांच दल ने सामने कराया था कोल स्टॉक मेजरमेंट मिली थी कमी

फोटो रेहर खदान की कोल स्टॉक गड़बड़ी समय की

रेहर खदान विश्रामपुर

महाप्रबंधक कार्यालय एसईसीएल विश्रामपुर

- ओंकार पाण्डेय -
सूरजपुर/विश्रामपुर 13 अप्रैल 2024(घटती-घटना)।

एसईसीएल बिश्रामपुर के सह क्षेत्र रेहर खदान में बड़ी मात्रा में कोल स्टॉक में गड़बड़ी पाई गई थी जो लगभग तय है जांच दल ने भी कोल स्टॉक में कमी पाया था जिसकी जांच रिपोर्ट भी जांच एजेंसियों के पास मौजूद है पर अब इस घोटाले में लगभग 3 साल होने को है पर अभी तक किसी पर भी कानूनी कार्यवाही नहीं हो पाई है पर अब कानूनी कार्यवाही होने की उम्मीद जगी है क्योंकि इसमें केंद्रीय एजेंसी सीबीआई सामिल हो गई है अभी तक बिश्रामपुर क्षेत्र में तीन बार सीबीआई ने दस्तक दे चुकी है और दस्तावेजों को खंघाल रही है, वहीं इससे पूर्व विजिलेंस ने इस मामले की जांच की थी पर उसे जांच में तत्कालीन महाप्रबंधक अमित सक्सेना को बचाने का प्रयास किया था ऐसा बताया जा रहा था कि विजिलेंस में तत्कालीन महाप्रबंधक का कोई रिश्तेदार था जो उसकी मदद कर रहा था, अभी भी सूत्रों के हवाले से यह बात सामने आई है कि सीबीआई की कार्यवाही से महाप्रबंधक अमित सक्सेना को बचाने के लिए उसे इस मामले को उजागर करने वाला व्यक्ति बताया जा रहा है कि मामले को उजागर उन्होंने ही किया था जो कि सरासर गलत है, इस मामले को उजागर शिकायतकर्ता व दैनिक घटती-घटना खबर के प्रकाशन के बाद हुआ था, जिसमें स्टॉक में काफी कमी थी पर जांच एजेंसियों के पहुंचने तक स्टॉक को काफी हद तक मेंटेन कर लिया गया था इस वजह से सिर्फ 2700 टन का ही कोल स्टॉक में कमी पाई गई थी, कोल स्टॉक को कम करने के लिए भी कोयले में खूब मिट्टी मिलाया गया था और बहुत चीज हुई थी जिसकी जांच सीबीआई करें तो मामला और भी उजागर हो सकता है, वही यह तो तय हो चुका है कि इस मामले में कार्यवाही हो गई यही वजह है की अधिकारियों को कैसे बचाया जाए इसके लिए पूरी तैयारी चल रही है।

सूत्रों का कहना है की जेल जाने से उनको बचाने के लिए रोड सेल का रेट भी काम कर दिखया दिया गया है जबकि रोड सेल का रेट अधिक था और यदि उस समय का रोड सेल के रेट को रखा जाए तो कोल स्टॉक में काम पाए जाने वाले कोयला का दर लगभग एक करोड़ के पार हो जाएगा और दोषियों का जेल जाना तय हो जाएगा जिस वजह से दर को काम दिखया जा रहा है ताकि रकम कम हो और जेल जाने से वह बच जाए, दूसरा प्रयास यह भी है कि तत्कालीन महाप्रबंधक जो इस मामले के मुख्य आरोपी हैं उन्हें भी बचाया जाए यही वजह है की उन्होंने ही इस मामले को उजाकर करने वाला बताया जा रहा है जिसमें बिल्कुल भी सत्यता नहीं है यह मामला कैसे उजागर हुआ जग जाहिर है जबकि इस मामले के दोषी तत्कालीन महाप्रबंधक अमित सक्सेना पर कार्यवाही होनी चाहिए वह भी यलो बुक नियम के तहत है।

क्या तत्कालीन महाप्रबंधक अमित चार-पांच महीने में रिटायर हो जाएंगे तत्कालीन महाप्रबंधक अमित सक्सेना क्या इस वजह से धीमी चल रही है कार्यवाही?

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विजिलेंस तत्कालीन महाप्रबंधक अमित सक्सेना को बचाने के लिए पूरा काम कर रही है यही वजह है कि कार्यवाही कछुए की चाल में चल रही है ताकि अमित सक्सेना का चार-पांच महीने बाद रिटायरमेंट होना है और वह रिटायर हो जाए और अपना पूरा पैसा ले ले इसके बाद कार्रवाई ना हो पाए,यही वजह है कि विजिलेंस सीबीआई को भी गुमराह कर रही है, जबकि सूत्रों का मानना है कि इस कोल घोटाले के मास्टरमाइंड तत्कालीन महाप्रबंधक अमित सक्सेना ही है, जिनके सह पर यह पूरा काम हो रहा था पर बाकी अधिकारियों पर इसकी गाज गिरने वाली है यह तो तय है पर वही अमित सक्सेना को बचाने का प्रयास पूरा हो रहा है यही वजह है कि उन्हें यह बताया गया है कि मामले को उजागर उन्होंने किया है, ऐसा सूत्रों के हवाले से खबर आ रही है, वही यह मामला चार-पांच महीने और विलंब हो जाए ताकि अमित सक्सेना सेवानिवृत हो जाए और उन्हें विभाग का पूरा पैसा मिल जाए और वह रफू चक्कर हो जाए ऐसा भी प्रयास है।

सक्सेना बच निकलेंगे और पूरा ठीकरा सेवानिवृत्त सहक्षेत्र प्रबंध वीके चौधरी व खान प्रबंधक फिरोज खान पर फुटेगा?

एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र के सहक्षेत्र रेहर खदान में बड़ी मात्रा में कोल स्टॉक में गड़बड़ी पाई गई थी, जिसे घोटाला कहना गलत नहीं होगा, जिसकी शिकायत भी उच्च स्तर पर हुई थी जिसके बाद विजिलेंस की टीम इस घोटाले व गड़बड़ी को जांच करने पहुंची थी, जिसमें विजिलेंस की टीम ने गड़बड़ी भी पाया था, पर उस बड़ी गड़बड़ी को कम करने के लिए महाप्रबंधक व खान प्रबंधक दोनों मिलकर खूब गोलमाल किए फिर भी गड़बड़ी से अपने आप को बचा नहीं पाए, जब विजिलेंस को कोल स्टॉक में गड़बड़ी मिल चुकी है तो अब महाप्रबंधक अपने आप को बचाने के लिए पूरी ताकत झोंक रहे हैं, यही वजह है कि अभी तक गड़बड़ी की रिपोर्ट मिलने के बावजूद महाप्रबंधक व खान प्रबंधक पर कोई भी कार्यवाही नहीं हुई है, वही सहक्षेत्र प्रबंधक जो रिटायर हो चुके थे उनका 40 लाख का पेमेंट रोका गया है, ऐसे में सवाल यह है कि आखिर महाप्रबंधक व खान प्रबंधक को पद पर अभी तक आसीन क्यों निलंबित व बर्खास्त क्यों नहीं किया गया? सूत्रों की माने तो महाप्रबंधक को बचाने के लिए उच्च स्तर से तैयारी हो रही है यदि महाप्रबंधक बचते हैं तो इसका पूरा ठीकरा सेवानिवृत्त से सहक्षेत्र प्रबंध वीके चौधरी व खान प्रबंधक फिरोज खान पर पूरा ठीकरा फुटेगा पर नियम की माने तो यदि कोई भी घोटाला होता है तो उसमें महाप्रबंधक, सब एरिया व खान प्रबंधक तीनों दोषी होते हैं यह कोल इंडिया का नियम भी है पर अब देखना यह होगा की कार्यवाही कब और किस किस पर होगी लगातार शिकायतें हो रही हैं।

रेहर खदान कोयला घोटाला में तीसरी बार जांच के लिए पहुंची सीबीआई की टीम

एसईसीएल विश्रामपुर क्षेत्र के रेहर भूमिगत खदान में शार्टेज कोयले की जांच करने एक बार फिर सीबीआई की टीम ने बुधवार को दस्तक दी। कोयला घोटाले में जल्दी ही अपराध दर्ज होने की चर्चा जोरों पर हैं। मामले से जुड़े अधिकारियों में अपराध दर्ज होने के भय सताने लगा है। मामले में सीबीआई अधिकारियों ने बिना जांच पूरे हुए मीडिया को कोई भी जानकारी देने से इनकार कर दिया है। लगभग दो करोड़ रुपये लागत के 27 सौ टन कोयला शार्टेज के मामले में सीबीआई यहां तीसरी बार जांच के लिए पहुंची है। एसईसीएल विश्रामपुर के रेहर अण्डरग्राउण्ड खदान की जांच करने इससे पूर्व पहली बार सीबीआई की टीम जनवरी माह में और दूसरी बार फरवरी माह में आ चुकी है। फरवरी माह में 22 दिन तक डेरा जमाए सीबीआई के अधिकारी इंस्पेक्टर यतीश चन्द्र शर्मा व पीसी संजय पटेल मामले से जुड़े दस्तावेजो को खंगालकर सबूत बतौर हजारों पन्नो के दस्तावेजो की फोटो कापी कराकर अपने साथ ले गए थे।

दो करोड़ कीमत का 2700 टन कोयला घोटाला मामला

ज्ञात हो की एसईसीएल विश्रामपुर की रेहर खदान में पिछले माह सामने आए दो करोड़ कीमत के 2700 टन कोयला घोटाला मामला क्षेत्रीय प्रबंधन की गले की हड्डी साबित हो रहा है। पूरे मामले की जांच के लिए फिर विजिलेंस की टीम यहां पहुंच जांच में जुट थी। कंपनी मुख्यालय से विजलेंस की तीन सदस्यीय टीम एक बार भटगांव रेस्ट हाउस भी पहुंची थी। जांच टीम के सदस्य रेहर खदान पहुंच मैनेजर कार्यालय के कोल स्टॉक के दस्तावेजों की जांच में जुटे हैं। 30 जून को आरजीके सब एरिया मैनेजर बीके चौधरी के सेवानिवृत्त होने के बाद रेहर खदान में दो करोड़ का कोयला शॉर्टेज का मामला सामने आया था। बड़ी मात्रा में कोयला शॉर्टेज की शिकायत पर विजिलेंस की चार सदस्यीय टीम 14 जुलाई को रहर खदान में छापा मारकर दस्तावेजों की जांच के साथ स्टॉक का मेजरमेंट कराया। स्टॉक मेजरमेंट के बाद यहां 2700 टन (37 प्रतिशत) कोयला कम मिला। इस दौरान विजिलेंस ने कोल स्टॉक में मिट्टी और पत्थर मिला कर 37 प्रतिशत पर पहुचे नहीं तो 8 टन का कोल स्टॉक में कमी थी। कमी की भरपाई करने की प्राप्त शिकायत पर कोल स्टॉक के अलग-अलग जगहों से सैंपल इकट्ठा कर तीन दिन चली जांच के बाद मुख्यालय लौट गई थी यह उम्मीद की जारी थी की विजिलेंस निष्पक्ष जाँच करेगी पर ऐसा हुआ नहीं बल्कि विजिलेंस की टीम तत्कालीन महाप्रबंधक अमित सक्सेना को बचने के पैतरे आजमाते दिखी यही वजह की कार्यवाही में इतना विलंब हुआ अब विजिलेंस से उम्मीद नहीं अब उम्मीद सिर्फ सीबीआई से।

कोयला घोटालाः जांच में तीसरी बार पहुंची सीबीआई की टीम

फोटो 11 घटती-घटना 12 अप्रैल 2024 को प्रकाशित खबर

कोल इंडिया का येलो बुक नियम क्या कहता है

कोल इंडिया में अधिकारियों के लिए येलो बुक नियम बनाया गया, यह नियम कोल स्टॉक के गड़बड़ी में लागू होता है, यदि कोल स्टॉक में कोई भी गड़बड़ी आती है तो इसमें महाप्रबंधक, सहक्षेत्र प्रबंधक व खान प्रबंधक तीनों दोषी होते हैं, येलो बुक इन तीनों से जुड़ कर चलता है और यह खदान में हुए, घोटाले में भी येलो बुक नियम लागू होता है ऐसे में अधिकरीयो पर कार्यवाही होती है तो यह तीनों दोषी पाए जाएंगे पर देखना यह है कि आखिर यह कार्यवाही कब तक होती है क्या इन्हें बचाया जाएगा या फिर निष्पक्ष कार्यवाही की जाएगी।

2 खदानों से होता था उत्पादन फिर भी कोल स्टॉक में आई भारी गड़बड़ी

एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र के बलरामपुर व रेहर खदान में कोयले का उत्पादन होता था, देखा जाए तो महाप्रबंधक के अंडर में सिर्फ दो खदानें ही उत्पादन के लहजा से संचालित थी, पर इन दो खदानों को भी महाप्रबंधक संभाल नहीं पाए और यहां पर भी घोटाले की शिकायत हो गई और जांच दल को भी घोटाला मिल गया, जबकि आमगांव खदान का उत्पादन उसी समय शुरू हुआ था, इससे पहले ही कोल स्टॉक में गड़बड़ी रेहर खदान में मिल गई, वही बलरामपुर खदान में भी उत्पादन अधिक दिखाने के लिए कोयले की गुणवत्ता को मिट्टी व पत्थर मिलाकर खराब किया गया, राष्ट्र की संपत्ति खराब होतो है तो होने पर अधिकारियों का भला होता रहे इस दृष्टिकोण से अधिकारी कार्य करते दिख रहे हैं।

विजिलेंस में कौन है महाप्रबंधक का रिश्तेदार?

सूत्रों की माने तो एसईसीएल बिश्रामपुर कोल स्टॉक गड़बड़ी मामले में जो विजिलेंस की टीम जांच में शामिल है उसमें से एक सदस्य कौन है जो एसईसीएल बिश्रामपुर महाप्रबंधक का काफी करीबी व रिश्तेदार है? जो बचाने के लिए जांच को अलग दिशा में ले जा सकता है? ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर दोषियों को बचाया जाएगा तो फिर इस प्रकार की गड़बड़ियां आगे भी होती रहेंगी, इससे पहले भी बिश्रामपुर क्षेत्र में कोल स्टॉक में गड़बड़ी का मामला पहले भी हो चुका है जिसमे कुछ लोग जेल भी जा चुके हैं।

यह है पूरा मामला

एसईसीएल क्षेत्र में अक्सर कोयले में हेराफेरी का मामला सुनने को मिलता है कहीं ज्यादा तो कहीं कम कुछ साल पहले कोयले में बड़ी मात्रा में हेराफेरी को लेकर बिश्रामपुर क्षेत्र काफी चर्चित रहा था, जहां कई अधिकारियों को जेल की हवा भी खानी पड़ी थी, एक बार फिर बिश्रामपुर एससीसीएल क्षेत्र के रेहर खदान में बड़ी मात्रा में कोयला हेराफेरी का मामला फिर सामने आया है, जिसे लेकर मुख्य सतर्कता अधिकारी एसईसीएल बिलासपुर को शिकायत की गई थी और जल्द से जल्द जांच की मांग की गई थी, शिकायतकर्ता के अनुसार 8 हजार टन कोयला स्टॉक में होना बताया जा रहा है पर वास्तविक स्थिति में खदान के पास 8 हजार टन कोयला मौजूद दिख नहीं रहा, अब ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब प्रबंधन 8 हजार टन कोयला होना बता रही है तो आखिर यह कोयला कहां है, वही शिकायत के बाद इस प्रबंधन हरकत में है और जल्दी-जल्दी 8 हजार टन कोयले का स्टॉक बनाने में जुट गई थी, जिसके लिए मिट्टी से लेकर पत्थर तक मिलाने का कार्य प्रबंधन बड़ी तेजी से कराया गया था।

विश्रामपुर क्षेत्र के रेहर खदान में कोल स्टॉक में गड़बड़ी का आरोप

फोटो 07 घटती-घटना 08 जुलाई 2022 को प्रकाशित खबर

एसईसीएल बिश्रामपुर के रेहर खदान कोल स्टॉप गड़बड़ी मामले में शिकायत के बावजूद अभी तक नहीं हुई जांच शुरू?

घटती-घटना 14 जुलाई 2022 को प्रकाशित खबर

रेहर कोल स्टॉक में गड़बड़ी की जांच करने पहुंची विजिलेंस को मिली भारी मात्रा में कोल स्टॉक में कमी

फोटो 09 घटती-घटना 17 जुलाई 2022 को प्रकाशित खबर

रेहर कोल स्टॉक घोटाले में जीएम,रिटायर सब एरिया व खान प्रबंधक के हाथ काले फिर भी पद पर आसीन क्यों?

फोटो 10 घटती-घटना 07 अगस्त 2022 को प्रकाशित खबर

विजिलेंस नहीं कर सकी निष्पक्ष जांच अब सीबीआई से निष्पक्ष जांच की उम्मीद

कोल इंडिया केंद्र सरकार का उपकरण है और एसईसीएल उसी उपकरण का हिस्सा है और यह उपकरण राष्टहित में काम करता है और यदि राष्टहित पर किसी भी प्रकार की दिक्कत होती है तो हर व्यक्ति इसका विरोध करेगा कोयला राष्ट की संपत्ति है जिसका हेरा फेरी बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं होना चाहिए, विजलेंस निष्पक्ष जांच नहीं कर सकी जिस वजह से तो देश की सर्वोच्च एजेंसी सीबीआई को जांच में शामिल होना पड़ा कराया।

जल जीवन मिशन योजना के तहत ओवर हेड पानी टंकियो का निर्माण कार्य बिना इंजीनियर के देखरेख में

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के संरक्षण में जल जीवन मिशन योजना के तहत ओवर हेड पानी टंकी के निर्माण कार्य की गुणवत्ता भगवान भरोसे ?

» क्या लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में जल जीवन मिशन योजना के निर्माण कार्य में ठेकेदार की अपनी मर्जी से से होते हैं निर्माण कार्य ?

» क्या लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को खड़गवां जनपद पंचायत मुख्यालय के आसपास के ग्राम पंचायतों में चल रहे करोड़ों रुपए के जल जीवन मिशन योजना के ओवर हेड पानी टंकी निर्माण कार्यों को देखने की फुर्सत कि किस गुणवत्ता और किस मेटेरियल से निर्माण कार्य हो रहा है ?

- राजेन्द्र शर्मा -
खड़गवां13 अप्रैल 2024
(घटती-घटना)।

लाखों रूपए की लागत कि ओवर हेड पानी टंकी का मजदूरों के भरोसे निर्माण कार्य किया जा रहा है जहां निर्माण स्थल पर विभाग के कोई भी अधिकारी नहीं आते हैं वहीं विभागीय इंजिनियर एवं ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदार के मजदूरों कि मनमानी से करोड़ों रुपए की लागत से निर्माण कार्य चल रहा है । निर्माण सथल पर सूचना पटल नहीं होने से निर्माण कार्य की जानकारी नागरिकों को नहीं प्राप्त हो रही है। ओवर हेड टंकी निर्माण कार्य मे मजदूरों को किसी भी प्रकार के सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराया गया है जिससे कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

शासन की बहुत ही महत्वकांछी योजना जल जीवन मिशन योजना जो ग्रामीणों को पीने के पानी से राहत देने के लिए इस योजना को संचालित करने के लिए बनाया गया है इस योजना के तहत आम ग्रामीणों को घर-घर तक पानी पहुचने के लिए इस योजना के तहत ओवर हेड टंकी का निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

खंडगवा विकास खंड के विभिन्न ग्राम पंचायतो खडगवां मुख्यालय ठगगाव मझौली पोडीडीह में ओवरहेड पानी टंकी का निर्माण कार्य जारी है। जिससे ग्रामीणों के घरों में नल के माध्यम से पेयजल पहुंचाने के लिए इस निर्माण कार्य को कराया जा रहा है इस निर्माण कार्य में किसी भी तरह की कोई जानकारी या सूचना पटल नहीं है। ओवरहेड पानी टंकी का निर्माण कार्य सिर्फ मजदूरों के भरोसे कराया जा रहा है । निर्माण कार्य करने वाले मजदूर ही इंजिनियर है। इस ओवर हेड टंकी का निर्माण कार्य 6 या 7 मजदूरों के द्वारा निर्माण कार्य किया जा रहा है इस निर्माण कार्य को कराने के लिए बाहर से मजदूर बुलाए गए हैं । यह मजदूर लगभग 25 से 30 फीट की ऊचाई पर जान जोखिम में डाल कर ओवर हेड टंकी निर्माण कार्य को कर रहे हैं। इन मजदूरों के पास किसी भी तरह के निर्माण कार्य करने के लिए सुरक्षा उपकरण नहीं है। इस तरह से निर्माण कार्य कर रहे मजदूरों के साथ कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती है ।

ओवर हेड टंकी के निर्माण कार्य में गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों के द्वारा कई सवाल खड़े कर रहे हैं ?

ओवर हेड पानी टंकी निर्माण में जिस गुणवत्ता पूर्ण मटेरियल का इस्तेमाल किया जाना है। उस गुणवत्ता के मेटेरियल का ओवर हेड टंकी के निर्माण कार्य में नहीं किया जा रहा है इस ओवर हेड टंकी के निर्माण कार्य में इस्तेमाल की जा रही गिट्टी, रेत, और सबसे बड़ा मेटेरियल जिस पर ओवर हेड टंकी का आधार खड़ा रहकर उसमें हजारों लीटर पानी को स्टोर करने कि क्षमता रखेगा उस ओवर हेड पानी टंकी में ब्रांडेड छड़ एवं जिस गुणवत्ता और मापदंड के मेटेरियल का उपयोग किया जाना है वो नहीं किया जा रहा है। वही ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों का कहना है कि इस ओवर हेड पानी टंकी के निर्माण कार्य का सूचना पटल भी नहीं लगाया गया है जिससे ओवर हेड पानी टंकी निर्माण कार्य की जानकारी उपलब्ध नहीं हो रही है कि इस पानी टंकी के निर्माण कार्य की कया लागत कितनी क्षमता किस विभाग से निर्माण हो रहा है। इस पानी टंकी की कया क्षमता है किस मापदंड में ओवर हेड पानी टंकी का निर्माण कार्य किया जाना है इतयादि उस स्थल पर लगे बोर्ड में अंकित रहना चाहिए जिससे स्थानीय ग्रामीणों को निर्माण कार्य को लेकर जानकारी मिल सके ग्रामीणों के द्वारा इस निर्माण कार्य में कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं?

स्वास्थ्य मंत्री ने की थी घोषणा की स्वास्थ्य कर्मियों का संलग्ननीकरण खत्म होगा

- संवाददाता -
खड़गवा, 13 अप्रैल 2024
(घटती-घटना)।

स्वास्थ्य मंत्री ने विधानसभा में की घोषणा की थी कि स्वास्थ्य कर्मियों का खत्म होगा अटैचमेंट लेकिन इसका असर खड़गवां के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नहीं हुआ । इसका असर दूसरे जिले कोरिया के बंजारीडाड में पदस्थ फार्मासिस्ट पिछले आठ सालों से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गवां में संलग्न है जबकि इस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पूर्व से ही काफी अनुभवी फार्मासिस्ट की नियुक्ति होने के बाद भी दूसरे जिले के फार्मासिस्ट को संस्था प्रमुख के द्वारा संलग्न कर रखा गया है।

क्या इस फार्मासिस्ट पर छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री के आदेश का कोई असर नहीं होता दिखाई दे रहा है ?

कही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रमुख अधिकारी का इस फार्मासिस्ट पर विशेष कृपा तो नहीं है जिसके कारण विगत आठ सालों से ये फार्मासिस्ट संलग्ननीकरण के साए में चल रहा है ?

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने विधानसभा सदन में एक बड़ी घोषणा करते हुए प्रदेश में स्वास्थ्य कर्मियों का अटैचमेंट खत्म करने की बात कही थी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा था कि ऐसी जानकारी मिली है कि बिना किसी कारण के ही दूरस्थ क्षेत्रों में पदस्थ स्वास्थ्य कर्मचारियों, नर्सिंग स्टाफ एवं चिकित्सकों को अन्यत्र मनचाही जगहों पर अटैच किया गया है जिससे आम ग्रामीण जनता को मिलने वाली स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं प्रभावित हो रही हैं।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने कहा था कि यदि कहीं ऐसी विशेष परिस्थिति है जहां स्वास्थ्य विभाग के स्टाफ की कमी है और अटैचमेंट करना अनिवार्य हो तो विभागीय अनुमति लेकर उसे जारी रखा जा सकता है। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने कहा था कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का स्पष्ट निर्देश है कि प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर आम जनों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। ऐसी स्थिति में बिना कारण ही अटैचमेंट जैसी व्यवस्था से दूरस्थ क्षेत्रों में स्टाफ की कमी से आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है जिसे खत्म करना आवश्यक है। मगर खड़गवां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में संलग्न फार्मासिस्ट जो कि बंजारीडाड में मूल पदस्थापना होने के बाद भी पिछले आठ सालों से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गवां में संलग्न हैं। जबकि बंजारीडाड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में फार्मासिस्ट नहीं होने से वहां के ग्रामीणों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है इस क्षेत्र की जनता ने स्वास्थ्य मंत्री से बंजारीडाड में पदस्थ फार्मासिस्ट को बंजारीडाड में मूल पद पर पदस्थ किए जाने कि मांग कि है।

भाजपा के किस युवा नेता का बैकुंठपुर के भंडारपारा व सलबा में संचालित हो रहा अवैध ईंट भट्ठा और वहां खपाया जा रहा है चोरी का अवैध कोयला ?

» मौजूदा भाजपा सरकार में भाजपा के पदाधिकारी ही अवैध कारोबार में दिखा रहे अपनी संलिप्तता

» एक भाजपा युवा नेता का संचालित हो रहा है अवैध ईंट भट्ठा वहीं चोरी के कोयले से तैयार हो रहा है ईंट

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर, 13 अप्रैल 2024
(घटती-घटना)।

प्रदेश में सत्ता परिवर्तन हुए लगभग 5 महीने होने को हैं और सरकार बदलते ही भाजपा के नेताओं की भी दिलचस्पी अवैध तरीके से पैसे कमाने में दिखने लगी है एक ऐसा ही मामला सूत्रों के हवाले से सामने आया है और बताया जा रहा है कि बैकुंठपुर के भंडारपारा व सलबा में एक भाजपा युवा नेता का अवैध ईंट भट्ठा संचालित हो रहा है जिसके लिए भाजपा नेता कोयले की चोरी भी करवा रहे हैं, वैसे जिस भाजपा के युवा नेता की अवैध कारोबार में संलिप्तता है वह बड़ी मुश्किल से एक बड़ा पद पाने में सफल हुए थे और यह सफलता भी चापलूसी से वह भी भाजपा के ही बड़े नेता पिता पुत्र की चापलूसी की वजह से मिली थी, जिसका खामियाजा भी वह अब भुगत रहे पिता पुत्र दोनों उन्हें पानी पी के गाली दे रहे हैं और अब उस युवा नेता को भी यह समझ में आ गया कि वह पद लेना कितना भारी था।

सूत्रों की माने तो बैकुंठपुर के सलका ग्राम के भंडारपारा में वहीं सलबा में अवैध ईंट भट्ठा संचालित है जहां चरचा क्षेत्र से चोरी का कोयला लाकर खपाया जा रहा है और जो अवैध कारोबार युवा भाजपा नेता के संरक्षण में संचालित हो रहा है और बताया यह भी जा रहा है की यह अवैध कारोबार ही युवा भाजपा नेता का है जो वह खुद संचालित करते हैं। सुशासन और आदर्शों की बात करने वाली भाजपा पार्टी में यह दावा किया जाता है की पार्टी में भ्रष्टाचार और अवैध कारोबार को लेकर कोई समझौता नहीं होता और पार्टी देश प्रदेश से भ्रष्टाचार मिटाकर साथ ही अवैध कारोबार को बंद करके ही दम लेगी। वहीं जबसे प्रदेश में भाजपा ने पुनः सत्ता में वापसी की है तबसे भाजपा नेताओं को अवैध कारोबार में संलिप्त देखा जा रहा है और कम से कम कोरिया जिले में अवैध कारोबार जमकर जारी है जिसमे भाजपा के युवा नेता संलिप्त नजर आ रहे हैं। वैसे अब मामले में यह देखना है की क्या खबर प्रकाशन के बाद भाजपा का शीर्ष नेतृत्व इस ओर ध्यान देगा की पार्टी का कोई पदाधिकारी अवैध कार्यों में संलिप्त न हो और यदि वह संलिप्त होता है तो उसे पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया जायेगा साथ ही उसके अवैध कारोबार पर कार्यवाही भी होगी?

क्या भाजपा का शीर्ष नेतृत्व अपने पदाधिकारियों के मामले में भी वही तत्परता कार्यवाही में दिखाती है या नहीं ?

वैसे भाजपा भ्रष्टाचार सहित अवैध कारोबार के खिलाफ पूरे देश में मुहिम चला रही है साथ ही केंद्र सरकार के निर्देश पर भ्रष्टाचार सहित अवैध कारोबार पर लगातार केंद्रीय एजेंसियां कार्यवाही कर रही हैं और अब देखना है की क्या भाजपा का शीर्ष नेतृत्व अपने पदाधिकारियों के मामले में भी वही तत्परता कार्यवाही में दिखाती है या फिर अपने दल के पदाधिकारियों सहित कार्यकर्ताओं के लिए वह रियायत देते हैं। पूर्व कांग्रेस शासनकाल में भाजपा नेतृत्व अवैध कारोबार का जमकर आरोप लगाता आया था कांग्रेस से जुड़े लोगों पर वहीं अब जब उनके ही दल के लोग अवैध कारोबार में संलिप्त हैं वह मामले में मौन हैं।

क्या भाजपा में नैतिकता की बात केवल दिखावा,क्या कार्यवाही केवल अन्य दलों के लोगों के लिए ही नियम,पार्टी के लोगों के लिए नियम कायदों में छूट ?

जिले में जिस तरह भाजपा शासनकाल में भी अवैध ईंट भट्ठे और अवैध कोयले का कारोबार संचालित है उसको देखकर कहा जा सकता है की क्या भाजपा में नैतिकता की बात केवल दिखावा है,जब खुद की बात आती है भाजपाइयों की बात आती है तब क्या सारी नैतिकता और उसके नियम शिथिल कर दिए जाते हैं वहीं अन्य दल के लोगों के मामले में वही नियम कायदे कठोरता से लागू कर दिए जाते हैं। वर्तमान में कोरिया जिले में भाजपाइयों के द्वारा संचालित ईंट भट्ठा जो अवैध रूप से संचालित है और उसके लिए ही अवैध रूप से कोयले के अवैध कारोबार में संलिप्त रहना उनके लिए जायज घोषित है जबकि कांग्रेस शासनकाल में इसका भाजपाई विरोध करते थे और इसे गलत बताते थे। अब सवाल उठना भी लाजमी है क्योंकि जिस तरह से जिले में अवैध ईंट भट्ठे साथ ही भाजपा नेताओं के अवैध ईंट भट्ठे संचालित हैं उसको देखकर यही लगता है की नैतिकता की बात केवल दिखावे के लिए जाती है भाजपा में,अपने दल के लोगों के लिए वहां नियम बदल दिए जाते हैं।

कांग्रेस शासनकाल में अवैध कारोबार को लेकर भाजपाई लगातार दर्ज करते थे विरोध, अवैध कारोबार बंद कराने चलाते थे मुहिम

प्रदेश सहित जिले में भाजपाई पिछले पांच वर्षों तक अवैध कारोबार के खिलाफ विरोध दर्ज करते नजर आते थे और वह लगातार तत्कालीन कांग्रेस सरकार के नेतृत्व पर वहीं जिले के कांग्रेसियों पर अवैध कारोबार को संरक्षण देने का आरोप लगाते थे। भाजपा नेतृत्व साथ ही भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता को इस मामले में विरोध में देखा जाता था की कांग्रेस शासनकाल में जमकर अवैध कारोबार फल फूल रहा है जिसमे अवैध कोयले का कारोबार साथ ही अवैध ईट भट्ठे का कारोबार जमकर संचालित हैं जिसे तत्कालीन कांग्रेस नेताओं का संरक्षण प्राप्त है। भाजपा नेताओं का यह भी आरोप हुआ करता था की कांग्रेस नेता व्यवस्था से जुड़कर और उसे भी संलिप्त कर इस कारोबार को बढ़ावा दे रहे थे और जो इसीलिए बंद नहीं हो पा रहा है क्योंकि इसे सत्ता का संरक्षण प्राप्त है। कांग्रेस शासनकाल में कहा जाए तो भाजपाई अवैध कारोबार को लेकर सत्ता पक्ष पर हमलावर रहा करते थे।

सत्ता परिवर्तन उपरांत खुद संलिप्त हुए अवैध कार्यों में भाजपाई,क्या अपना ही पुराना विरोध भूल गए भाजपाई

सत्ता कांग्रेस की थी प्रदेश में तो अवैध कोयला और अवैध ईंट भट्ठे को लेकर भाजपाई काफी विरोध करते नजर आते थे। कोरिया जिले में खासकर भाजपाई इस मामले में यह साबित करते नज़र आते थे की जिले में अवैध कोयले का कारोबार और अवैध ईंट भट्ठे कांग्रेस शासनकाल में ही संचालित हो रहे हैं इसके पूर्व ऐसा कभी हुआ नहीं करता था लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद ही यह देखने को मिल रहा है की भाजपाई खुद अवैध ईंट भट्ठा संचालित कर रहे हैं और वह खुद ही अवैध कोयले का कारोबार भी संचालित कर रहे हैं। अब सवाल यह उठ रहा है की क्या वह अपना ही पुराना विरोध भूल गए,क्या वह यह भूल गए की वह खुद ही इस अवैध कारोबार के खिलाफ लामबंद हुआ करते थे इसको लेकर वह कांग्रेसियों पर हमलावर रहा करते थे आरोपों के साथ की वह अवैध कारोबार को संरक्षण प्रदान कर रहे हैं। भाजपाइयों के कई अवैध ईंट भट्ठे जिले में संचालित है जिसमे से सलबा ,भंडार पारा में संचालित अवैध ईंट भट्ठा सुर्खियों में है क्योंकि यहां कोयले के भी अवैध कारोबार में एक युवा भाजपा नेता संलिप्त है जो सूत्रों का दावा है।

क्या अवैध ईंट भट्ठों सहित अवैध कोयले के कारोबार को लेकर भाजपा साबित करेगी निष्पक्षता, क्या होगी जिले में कार्यवाही ?

जिले में संचालित अवैध ईंट भट्ठों सहित कोयले के अवैध कारोबार को लेकर क्या जिले में कार्यवाही होगी,क्या जिले में अवैध रूप से संचालित ईंट भट्ठों सहित अवैध रूप से कोयले की चोरी पर अंकुश के लिए निर्देश जारी होगा। क्या ऐसा करके भाजपा यह साबित करेगी जिले में की वह निष्पक्ष है और वह अवैध कारोबार में संलिप्त पार्टी के लोगों के ऊपर भी कार्यवाही का हौसला रखती है क्योंकि भाजपा अनुशासन के लिए जानी जाती है और वह भ्रष्टाचार और अवैध कारोबार के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ आगे बढ़ रही है। यदि ऐसा नहीं होता है तो माना जाएगा की अवैध कारोबार मामले में खासकर अवैध ईंट भट्ठों के मामले में भाजपा मौन रहने वाली है और इसे वह भी संरक्षण प्रदान कर अपने ही अभियान को गलत साबित करना चाहती है।

मिशन क्लीन सिटी के नोडल अधिकारी डॉ संजय तिवारी द्वारा मानसिक रूप से किया जा रहा प्रताड़ित : सपना बनवाले

- संवाददाता -
कोरबा, 13 अप्रैल 2024
(घटती-घटना)।

नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी एवं मिशन क्लीन सिटी के नोडल अधिकारी डॉ संजय तिवारी द्वारा मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है । उनके द्वारा परिचित महिला विजय लक्ष्मी तिवारी जो किसी भी सेंटर की सुपरवाइजर नहीं है उन्हें कई महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी सौंप दी गई है, उनके ही लिए विभिन्न सेंटरों के सुपरवाइजरों को परेशान करके काम से निकाला जा रहा है। पूर्व में कई सेंटर के सुपरवाइजर डॉ संजय तिवारी के मनमानी का शिकार हो चुके हैं और अब मुझे झूठे मामले में फंसाकर काम से निकालने का प्रयास किया जा रहा है। उक्त कथन शनिवार को कोरबा प्रेस क्लब के तिलक भवन में मणिकंचन केंद्र वैशाली नगर की सुपरवाइजर सपना बनवाले ने प्रेस वार्ता के दौरान कही। उन्होंने डॉ संजय तिवारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके सेंटर में वर्ष 2021 में गौठान खुला था। जहां कार्यरत सभी महिला कर्मचारी दीदी लोगों को जो भी पैसा मिल रहा था आपस में बंट रहा था। अब गौठान बंद हो चुका है तो डॉ संजय तिवारी द्वारा महिला कर्मचारियों को भड़काकर या दबाव बनाकर पैसा नहीं मिला है कहने को बोला जा रहा है। जो पैसा मिला है बोलकर सही जानकारी दे रहे हैं उनका हाजिरी का एप ÷निष्ठा÷ को बंद कर दिया गया है। इस तरह जबरन झूठा आरोप लगवाकर काम से निकलवाने के लिए फंसाया जा रहा है। डॉ संजय तिवारी मिशन क्लीन सिटी के नोडल अधिकारी है लेकिन गौठान का जबरन मामला बनाकर गौठान से जुड़े सभी दस्तावेज छिनकर जांच कर रहे हैं। यदि गौठान के मामले में जांच करनी भी हो तो गौठान के नोडल अधिकारी को करना चाहिए। वहीं इस मामले में डॉ संजय तिवारी के खिलाफ निष्पक्षता से जांच और कार्यवाही होनी चाहिए जो अपने फायदे के लिए सुपरवाइजरों को काम से निकाल रहे हैं। प्रेस वार्ता के दौरान पूर्व सुपरवाइजर माधुरी राठौर समेत अन्य महिला कर्मी भी उपस्थित थे।

स्वच्छता कमांडो से कराया जा रहा घर का काम

सपना बनवाले व अन्य महिला कर्मियों ने डॉ संजय तिवारी पर मनमानी का आरोप लगाते हुए अपने परिचितों को काम पर लगाने और विजय लक्ष्मी तिवारी को विशेष ध्यान देकर काम पर रखने के साथ ही स्वच्छता कमांडो से अपने घर पर काम कराते हुए उनका शोषण व शासन के रकम का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) उदयपुर जिला सरगुजा

ईश्तहार

रा.प्र.क्र-.../अ-02/2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती श्यामबाई पति देवनारायण दास जाति पनिका निवासी ग्राम लखनपुर द्वारा अपने स्वस्तव व आधिपत्य की ग्राम लखनपुर तहसील लखनपुर स्थित भूमि ख0न0 508/2 रकबा 0.024 हे0 को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन कराने बावत आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन के पन्द्रह दिवस के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर लिखित रूप से दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28/03/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील | अनुविभागीय अधिकारी (रा0) उदयपुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा.प्र.क्र-.../ब-121/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित कया जाता है कि आवेदक कृष्णा मंडल आ0 स्व0 जितेन्द्र मंडल निवासी ग्राम सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम सुभाषनगर स्थित खसरा नंबर 234/1 रकबा 0.928 हे0 मेसे रकबा 07 डिसमिल भूमि को अनावेदक मनोज कुमार गुप्ता आ0 सुभाष चन्द्र गुप्ता निवासी वार्ड क्रमांक 09 नगर पंचायत लखनपुर जिला सरगुजा के पास अंकन राशि रूपयं 11,90,000 में विक्रय करने का सौदा तय कर विक्रय अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 15/05/2024 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा- आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक - 04/04/2024 को मेरे हसताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी।

सील | तहसीलदार अम्बिकापुर,सरगुजा

संक्षिप्त खेल समाचार

अमित पंघाल की भारतीय टीम में वापसी

नई दिल्ली,13 अप्रैल 2024। वर्ल्ड चैंपियशिप के सिल्वर मेडलिस्ट अमित पंघाल की 25 मई से 2 जून तक बैंकॉक में होने वाली आखिरी ओलंपिक क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम में वापसी हुई है। भारतीय मुक्केबाज महासंघ ने पिछले क्वालीफायर में भाग लेने वाली भारतीय टीम में 6 बदलाव किए हैं। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने पिछले क्वालीफायर में भाग लेने वाली भारतीय टीम में छह बदलाव किये है।

रेसलिंग मैच के दौरान पानी में कुछ पिलाकर मुझे डोपिंग में फंसाएंगे

मुंबई ,13 अप्रैल 2024। दिग्गज महिला रेसलर विनेश फोगाट ने भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि डब्ल्यूएफआई और उनके सहयोगी स्टाफ मान्यता पत्र जारी नहीं करके

उन्हें हर हालत में ओलंपिक खेलने से रोकना चाहता है, जबकि महासंघ का दावा है कि समय सीमा खत्म होने के बाद विनेश ने आवेदन किया था।

विनेश को अपने खिलाफ डोपिंग की साजिश रचे जाने का भी डर है। विनेश को डर सता रहा है कि मैच के दौरान उन्हें पानी में कुछ मिला कर पिलाया जा सकता है। पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से लेकर 11 अगस्त तक खेला जाना है। भारतीय कुश्ती महासंघ ने कहा कि कोच और फिजियो को मान्यता पत्र जारी करने के लिए विनेश का ईमेल 18 मार्च को मिला लेकिन तब तक युनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग को खिलाड़ियों, कोचों और मेडिकल स्टाफ की सूची भेजी जा चुकी थी। रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख 11 मार्च थी।

केकेआर और एलएसजी भिड़ेंगे आज

- वर्तमान आईपीएल में पहली बार घरेलू मैदान पर लखनऊ सुपर जाइंट्स को हराने उतरेगी केकेआर
- केकेआर की टीम आज आईपीएल के इस सत्र में पहली अपने घर में पहला मैच खेलने उतरेगी। जहाँ उसका मुकाबला केएल राहुल एंड कंपनी से होगा
- लखनऊ सुपर जाइंट्स की टीम इस मैच में अपने सबसे तेज गेंदबाज और वर्तमान आईपीएल के सनसनी मयंक यादव के बिना उतर रही है

कोलकाता,13 अप्रैल 2024। दो बार की चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स अपने गढ ईडन गार्डंस पर आज आईपीएल के मैच में मयंक यादव के बिना उतर रही लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ उतरेगी तो उसका लक्ष्य जीत की राह पर लौटने का होगा। यह ईडन गार्डस पर केकेआर का इस सत्र में पहला मैच है। मेंटोर गौतम गंभीर को बखूबी पता है कि यहां होने वाले पांच मैच 2021 के बाद पहली बार प्लेआफ में जगह बनाने के लिये निर्णायक साबित हो सकते हैं। दोनों टीमों ने तीन तीन जीत दर्ज की है जबकि पिछले दौर में पराजय का सामना करके आई हैं। केकेआर को वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल और सुनील नारायण पर अत्यधिक निर्भरता का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है जो चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ साबित हो गा। चेन्नई ने पिछले मैच में उसे सात विकेट से हराया। नारायण (27) और रसेल (10) बल्ले से नाकाम रहे। इन दोनों के जबर्दस्त फॉर्म के चलते तीन मैचों में 200 पार का स्कोर बनाने वाली केकेआर चेन्नई के खिलाफ नौ विकेट पर 137 रन ही बना सकी। ऊंगली की चोट के कारण नीतिश राणा यह मैच भी नहीं खेल सकेंगे। केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर प्रभावित नहीं कर सके हैं और चार मैचों में 0, नाबाद 39, 18 और 34 रन बनाये। वेंकटेश अय्यर तीन मैचों में दोहरे अंक तक नहीं पहुंच पाये और एकमात्र अर्धशतक रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ लगाया। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पहले मैच में वह तीसरे नंबर पर उतरे लेकिन पिछले दो मैचों में सातवें और पांचवें नंबर पर उतरे। रमनदीप सिंह ने भी प्रभावित नहीं किया।

अंडर 19 विश्व कप 2022 विजेता अंगकृष रघुवंशी ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 54 रन बनाये। पिछले मैच में नाकाम रहने के बाद वह अच्छी पारी खेलने को बेताब होंगे। मिचेल स्टार्क गेंदबाजी में नाकाम रहे हैं और उन्होंने पहले दो मैचों में 100 रन दे डाले। दूसरी ओर लखनऊ को तेज गेंदबाज मयंक यादव की कमी खलेगी जो बाजू की मांसपेशी में खिंचाव के कारण बाहर हैं। उनकी जगह खेल रहे अरशद खान दिल्ली के खिलाफ नाकाम रहे। मोहसिन खान भी अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हैं। क्विंटोन डिकॉक और केएल राहुल को बड़ी पारियां खेलनी होगी। वहीं मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। उनके पास रवि बिश्नोई और कृणाल पंड्या जैसे उम्दा स्पिनर भी है।

टीमें इस प्रकार है :

लखनऊ सुपर जाइंट्स:- केएल राहुल (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, निकोलस पूरन, आयुष बदोनी, काइल मेयर्स, मार्कस स्टोइनिस, दीपक हुडा, देवदत्त पडिक्कल, रवि बिश्नोई, नवीन-उल-हक, करुणाल पंड्या, युद्धवीर सिंह, प्रेरक मांकड़, यश ठाकुर, अमित मिश्रा, शमर जोसेफ, मयंक यादव, मोहसिन खान, के. गौतम, अर्शिन कुलकर्णी, एम. सिद्धार्थ, एश्टन टर्नर, मैट हेनरी, मोहम्मद अरशद खान।

कोलकाता नाइट राइडर्स:- श्रेयस अय्यर (कप्तान), केएस भरत, रहमानुल्लाह गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नितीश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, हर्षित राणा, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, दुष्मंता चमीरा, साकि हुसैन और मुजीब उर रहमान। मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

पेरिस ओलंपिक से पहले स्पेन में प्रशिक्षण लेंगी ज्योति

नई दिल्ली,13 अप्रैल 2024। हांगझोऊ एशियाई खेलों में 100 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीतने वाली ज्योति याराजी पेरिस ओलंपिक से पहले स्पेन में प्रशिक्षण लेंगी। खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने उनके वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। ज्योति, जो वर्तमान में रोड टू पेरिस सूची (महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़) में 23वें स्थान पर हैं। आगामी सीजन और पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए 45 दिनों के लिए टेनेरिफ़, स्पेन में प्रशिक्षण लेने की योजना बना रही हैं।

सरकार, अपने लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) फंडिंग के तहत, उसके हवाई किराया, बोर्डिंग / आवास लागत, वीजा आवेदन शुल्क, सुविधा पहुंच लागत, खेल मालिश व्यय, स्थानीय

परिवहन लागत, ओपीए सहित अन्य खर्चों को कवर करेगी।एमओसी ने भारत के शटलर चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के पेरिस ओलंपिक से पहले प्रशिक्षण के लिए साझेदारों को वित्तीय सहायता देने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी।दुनिया के नंबर.1 पुरुष युगल जोड़ी जून 2024 में मुंबई में अलेक्जेंडर डन और एडम हॉल की स्कॉटिश जोड़ी के खिलाफ और जुलाई 2024 में हैदराबाद में इंडोनेशियाई जोड़ी रेन अगुंग और बेरी एग्रीवान के खिलाफ प्रशिक्षण लेगी, जिसमें टॉप्स अंतर्राष्ट्रीय जोड़ी के हवाई किराए और बोर्डिंग/आवास की लागत का वित्तपोषण करेगा।

ज्योति के अलावा, एमओसी ने भारतीय निशानेबाजों और राजेश्वरी कुमारी के लिए विदेशी प्रशिक्षण योजनाओं को भी मंजूरी दी जबकि रायज़ा अपने निजी कोच राजेश्वरी के साथ इटली में इटली में कोच डेविड कोस्टेलेकी के अधीन प्रशिक्षण लेंगी।टॉप्स उनके और उनके कोच के हवाई किराए, आवास लागत, कोचिंग शुल्क, सहित अन्य खर्चों को उठाएगा।

एमओसी ने ट्रैप शूटर राजेश्वरी के उपकरण अपग्रेड के अनुरोध को भी मंजूरी दे दी, साथ ही टॉप्स ने एक नए गन स्टॉक के लिए उनके खर्च का वित्तपोषण किया।विदेशी प्रदर्शन के अलावा, इसने दक्षिण कोरिया के चांगवोन में आगामी डब्ल्यूएसपीएस विश्व कप में भाग लेने के लिए पैरा-निशानेबाज राहुल जाखड़ और रूबीना फ्रांसिस के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी।टॉप्स उनके प्रवेश शुल्क, उनके कोच के लिए प्रवेश शुल्क, उनके बोर्डिंग/आवास की लागत, स्थानीय परिवहन लागत, उनके बंदूक परमिट, उड़ान टिकट, वीज़ा, बीमा और ओपीए के लिए खर्च का वित्तपोषण करेगा।

इंडियन सुपर लीग के प्लेऑफ शेड्यूल की घोषणा,फाइनल 4 मई को

मुंबई ,13 अप्रैल 2024। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 सीजन का फाइनल 4 मई को होगा और प्लेऑफ 19 अप्रैल से शुरू होगा। लीग के आयोजकों ने गुरुवार को यह घोषणा की। आईएसएल के बयान में कहा गया है, सीजन का फाइनल 4 मई को होगा। फाइनल में जगह बनाने के लिए लड़ाई 19 अप्रैल को नॉकआउट मैचों के साथ शुरू होगी, जिसके बाद घरेलू और बाहरी प्रारूप में सेमीफाइनल होंगे। इसमें कहा गया, फाइनल का स्थान जल्द ही घोषित किया जाएगा।

लीग चरण के अंत में शीर्ष दो टीमें सीधे सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी, जबकि तीसरे से छठे स्थान पर रहने वाली टीमें अन्य दो सेमीफाइनलिस्टों का निर्धारण करने के लिए नॉकआउट प्रारूप में सिंगल-लेग प्लेऑफ़ खेलेंगी। इंडियन सुपर लीग का 2023-24 सीजऩ सबसे रोमांचक और प्रतिस्पर्धी सीजऩ में से एक रहा है, जिसमें मुंबई सिटी एफसी और मोहन बागान खिताब जीतने की होड़ में हैं।

दिव्या भारती की मौत हादसा थी या साजिश

सह-कलाकार ने अभिनेत्री की असामयिक मौत के बारे में चौंकाने वाले खुलासे किए

बॉलीवुड की उभरती हुई अभिनेत्री दिव्या भारती 19 साल की उम्र में दुनिया छोड़ गईं। अभिनेत्री को शाहरुख खान-स्टारर दीवाना के बाद प्रसिद्धि मिली। उन्होंने इंडस्ट्री में केवल कुछ ही भूमिकाएँ निभाईं लेकिन उन्हें इंडस्ट्री की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक के रूप में याद किया जाता है। सिद्धार्थ कन्नन के साथ हाल ही में एक इंटरव्यू में दिव्या भारती के को-स्टार कमल सदाना ने चौंकाने वाले खुलासे किए। आइए कुछ विवरणों पर गौर करें।

साक्षात्कार में, कमल सदाना ने दिव्या भारती की मौत की रिपोर्ट के कठिन समय के बारे में बात की, उन्होंने कहा, यह (दिव्या की मौत की खबर) बहुत कठिन थी। यह वास्तव में दुखद था। वह सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक थी और उनके साथ काम करना बहुत मजेदार था। उन्होंने यह भी याद किया कि कैसे दिव्या भारती अभिनेत्री श्रीदेवी की नकल करती थीं और वह उनसे कहा करते थे, आप सार्वजनिक रूप से ऐसा नहीं कर सकतीं, इसके अलावा उन्होंने कहा, वह बहुत मजाकिया थीं और यह बहुत चौंकाने वाली खबर थी और मैं अभी खत्म हुआ था उसके साथ शूटिंग करते हुए मैंने कहा, यह कैसे संभव है? यह स्वाभाविक तरीका नहीं है

कमल सदाना ने दिव्या भारती की असामयिक मृत्यु के पीछे के वास्तविक कारण का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि उस समय उसने कुछ ड्रिंक पी रखी थी और अपनी ही धुन में मस्त थी। मुझे लगता है कि वह उस ऊर्जा में थी और फिसल गई। मैं सचमुच मानता हूं कि यह सिर्फ एक दुर्घटना थी। उन्होंने आगे कहा, मेरा मतलब है आप जानते हैं कि कुछ दिन पहले तक मैं उसके साथ शूटिंग कर रहा था और वह ठीक थी। उनके साथ कोई समस्या नहीं थी। उनके पास बेहतरीन फिल्में हैं जिन्हें उन्होंने पूरा कर लिया है। उनके पास फिल्मों की पूरी श्रृंखला थी जिसके लिए उन्हें साइन किया गया था। फिर आखिर वे सुसाइड कैसे कर सकती हैं।

कमल सदाना और दिव्या भारती ने 1993 में रंग नामक फिल्म में अभिनय किया था। फिल्म दो लड़कियों के पिता की कहानी है जो खुद को एक मुश्किल स्थिति में पाता है जब उसे पता चलता है कि पूजा जिस आदमी की प्रशंसा करती है वह उसकी दूसरी बेटी काजोल से प्यार करता है। रंग में बिंदू, जीतेंद्र, आयशा जुल्का, अमृता सिंह और अरुण बख्शी ने भी अभिनय किया।

5 अप्रैल, 1993 को एक दुखद घटना का सामना करने और नशे की हालत में अपनी बालकनी से गिरने के बाद दिव्या की मृत्यु हो गई। और उस वक्त दिव्या फिल्म लाडला में काम कर

रही थीं। दिव्या महज 18 साल की थीं जब उन्होंने साजिद से शादी करने का फैसला किया। उनके पिता ओम प्रकाश भारती को उनकी शादी के बारे में महीनों बाद पता चला। दिव्या उस समय की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में गिनी जाती थीं, लेकिन दुर्भाग्य से 19 साल की उम्र में उनकी मृत्यु हो गई। दिव्या भारती ने फिल्म निर्माता साजिद नाडियाडवाला से शादी की थी। दिव्या की मौत के बाद साजिद नाडियाडवाला ने साल 2000 में वर्दा खान से शादी की।

एक किस के कारण 20 साल से एक दूसरे से बात नहीं कर रहे थे इमरान हाशमी और मल्लिका शेरावत ?

इमरान हाशमी और मल्लिका शेरावत तब से सुर्खियां बटोर रहे हैं जब से दोनों को मुंबई में एक कार्यक्रम में बातचीत करते और एक-दूसरे को गले लगाते हुए देखा गया था। गुरुवार को आनंद पंडित की बेटी की शादी का रिसेप्शन था, जिसमें सितारों का जमावड़ा था। लेकिन उनकी मुलाकात और एक-दूसरे का अभिवादन करने ने कई लोगों का ध्यान क्यों खींचा? ऐसा इसलिए है क्योंकि मर्डर के सह-कलाकार 2003-2004 में फिल्म की शूटिंग के दौरान से ही विवादों में रहे हैं। तो, आइए संक्षेप में देखें कि इमरान हाशमी और मल्लिका शेरावत के बीच क्या हुआ और उनका अप्रत्याशित पुनर्मिलन दिन की खबर क्यों है।

मर्डर (2004) की शूटिंग के दौरान, इमरान और मल्लिका के बीच किसी तरह की गलतफहमी पैदा हो गई और वे सेट पर एक-दूसरे से बात नहीं करते थे। मल्लिका ने कुछ साल पहले मंदिरा बेदी के साथ एक इंटरव्यू में भी इस बात को कबूल किया था, जिसमें उन्होंने एक्टर के साथ अपनी लड़ाई को बचकाना बताया था।

मर्डर की रिलीज़ के कुछ समय बाद, इमरान करण जौहर के लोकप्रिय सेलिब्रिटी चैट शो, कॉफ़ी विद करण का हिस्सा थे। वह फिल्म निर्माता महेश भट्ट के साथ शो पर आये थे। रैपिड फायर राउंड के दौरान अभिनेता से पूछा गया कि उनके अनुसार सबसे अच्छा और सबसे खराब किसर कौन है। जवाब में इमरान ने बेस्ट किसर के तौर पर जैकलीन फर्नांडीज का नाम लिया और सबसे खराब किसर के तौर पर मल्लिका शेरावत का नाम लिया।

इतना ही नहीं उनसे उन चीजों के नाम बताने को कहा गया जो उन्हें एक्टर के बेडरूम में मिलेंगी। मल्लिका के नाम पर इमरान ने जवाब दिया हॉलीवुड में सफल होने के लिए एक बेवकूफ की पुस्तिका। केडब्ल्यूके के एपिसोड के बाद, मल्लिका इमरान द्वारा बैड किसर कहे जाने पर भड़क गईं और एक इंटरव्यू में उन पर पलटवार करते हुए कहा कि वह एक सांप हैं। अपनी फिल्म हिस्स में किस किया था इमरान से बेहतर किसर हूं।

दोनों के बीच का झगड़ा कई गपशप कॉलम के लिए गर्म विषय बन गया जब तक कि जन्नत अभिनेता ने यह नहीं कहा कि वह मल्लिका से नफरत नहीं करते थे, वे बस अपनी फिल्म मर्डर के बाद संपर्क में नहीं रहे।

इस बीच, काम के मोर्चे पर, इमरान की झोली में कई बड़े प्रोजेक्ट हैं जिनमें संजय गुप्ता द्वारा निर्देशित शूटआउट एट बायकुला, तेजस प्रभा विजय देओस्कर की ग्राउंड ज़ीरो और राशि खन्ना के साथ द लास्ट राइड शामिल हैं। दूसरी ओर, मल्लिका अगली बार रजत शर्मा के साथ तुम्हारी प्यारी सविता और वीसी वडिवुदैयान के निर्देशन में बनी नागमथी में दिखाई देंगी।

बोल्ड कंटेंट से भरी फिल्म लव सेक्स और धोखा 2 का ट्रेलर हुआ रिलीज

, पिछले कई दिनों से फिल्म लव सेक्स और धोखा की दूसरी किस्त लव सेक्स और धोखा 2 सुर्खियों में है। आए दिन इससे जुड़ी नई जानकारी सामने आ रही है।पिछले दिनों ऐलान हुआ कि फिल्म के जरिए एक ट्रांसजेंडर को बॉलीवुड में ब्रेक दिया जा रहा है, वहीं फिल्म में जहां परितोष तिवारी की एंट्री हुई तो उधर इसका गाना गुलाबी अंखियां भी काफी चर्चा में रहा।अब लव सेक्स और धोखा 2 का ट्रेलर रिलीज हो गया है।फिल्म में डिजिटल

यानी इंटरनेट के दौर का प्यार देखने को मिल रहा है। नए जमाने की इस लव स्टोरी में बोल्ड सीन भी हैं, जिसे लेकर कुछ लोग निर्माता एकता कपूर को ट्रोल भी कर रहे हैं।लव सेक्स और धोखा की तरह दूसरे भाग में भी अलग-अलग शहरों की कहानी देखने को मिल रही है।आज के दौर में प्यार के छिपे हुए पहलुओं पर प्रकाश डालती यह फिल्म रिश्तों की उलझनों को समझाती है।फिल्म के निर्देशक दिबाकर बनर्जी हैं, वहीं एकता ने इसे अपनी मां शोभा कपूर के साथ मिलकर बनाया है। दूसरे भाग में प्यार के बारे में और भी दिलचस्प कहानी दर्शकों को देखने को मिलेगी।यह लोगों को कैमरे के युग के प्यार को करीब से झांकने का मौका देगी। ट्रांसजेंडर बोनिता राज पुरोहित इसमें दमदार भूमिका में हैं, वहीं फिल्म में मौनी रॉय और उर्फी जावेद भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी।यह फिल्म 19 अप्रैल को सिनेमाघरों में आएगी।पहले लव सेक्स और धोखा 2 14 फरवरी को आने वाली थी, लेकिन फिर इसकी रिलीज टल गई और 19 अप्रैल की तारीख रिलीज के लिए तय की गई। खास बात है कि करण जौहर भी 19 अप्रैल को ही अपनी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव की जोड़ी नजर आएगी।दोनों फिल्में भले ही एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं, लेकिन ट्रेड पंडितों के मुताबिक, साथ आने से इनकी कमाई प्रभावित होगी।लव सेक्स और धोखा में 3 कहानियां दिखाई गई थीं। फिल्म के कलाकारों को देख लग रहा था कि वो हमारे आसपास मौजूद हैं और हम कैमरे के जरिए उन पर नजर रखे हुए हैं।2 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने लगभग 10 करोड़ रुपये कमाए थे। इसमें अंशुमन झा, नुसरत भरूचा और राजकुमार राव जैसे कलाकार दिखे थे। इन तीनों ने ही इस फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा था।

पौराणिक शो की भव्यता मुझे आकर्षित करती है:शिव्या पठानिया

शो लक्ष्मी नारायण में मुख्य भूमिका निभाने वाली एक्ट्रेस शिव्या पठानिया ने शो में अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें पौराणिक शो की भव्यता और धार्मिकता आकर्षित करती है।शिव्या इससे पहले राम सिया के लव कुश में सीता और बाल शिव-महादेव की अनदेखी गाथा में देवी पार्वती का किरदार निभा चुकी हैं। आने वाले शो लक्ष्मी नारायण में वह लक्ष्मी का किरदार निभाएंगी।पौराणिक भूमिकाओं में उन्हें क्या आकर्षित करता है, इस बारे शिव्या ने बताया, भव्यता और धार्मिकता के साथ शो अपने दर्शकों को जो नैतिक मूल्य प्रदान करते हैं, वह मुझे सबसे अधिक आकर्षित करते है।दोनों भूमिकाओं में भिन्नता के बारे में बात करते हुए, शिव्या ने कहा, विक्रम बेताल एक नैतिक कहानी थी, इसलिए यह एक संपूर्ण शो नहीं था, कि कैसे लक्ष्मी नारायण अस्तित्व में आए और उन्होंने देवताओं के रूप में अपनी भूमिका निभाई और यह उनकी अनकही प्रेम कहानी के बारे में नहीं था।उन्होंने कहा,

स्वास्तिक प्रोडक्शंस का शो लक्ष्मी नारायण उनके अस्तित्व से लेकर अनकही प्रेम कहानी तक की यात्रा के मामले में बेहद अलग है जिसे अभी तक खोजा नहीं गया है। इसके अलावा शो में हमारे पास सिद्धार्थ कुमार तिवारी भी है। स्वास्तिक प्रोडक्शंस के साथ काम करना अपने आप में एक आशीर्वाद है।शिव्या देवी लक्ष्मी के दर्शन और कहानी से मोहित हो गई।दिल ढूंढता है की एक्ट्रेस ने कहा, मैंने देवताओं के बारे में जो कुछ भी जाना है, यह उससे बहुत अलग था। इसलिए, इसी ने मुझे शो की ओर आकर्षित किया।तैयारियों के बारे में बात करते हुए शिव्या ने कहा, सच कहूं तो सब कुछ बहुत तेजी से हुआ। लेकिन किरदार के बारे में मेरी कोई पूर्व धारणा नहीं है। मैं इसे उस कहानी और ग्रंथों के साथ जी रही हूं।यह शो जल्द ही कलर्स पर प्रसारित होगा।

चुनावी सभा में राजनाथ सिंह का कांग्रेस पर जमकर प्रहार

डायनासोर की तरह कांग्रेस भी गायब हो जाएगी

राजनाथ सिंह ने कहा, कांग्रेस की सरकार आती है, घोटालों की बाढ़ आ जाती

जगदलपुर,13 अप्रैल 2024(ए)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने छत्तीसगढ़ के बस्तर लोकसभा सीट से भाजपा प्रते याशी महेश कश्े यप के समर्थन में दंतेवाड़ा जिले के गीदम से चुनावी सभा को संबोधित किया।

राजनाथ सिंह ने कहा, छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में आप लोगों ने भारतीय जनता पार्टी की झोली को भर दिया है इसलिए आप सबका धन्यवाद करने आया हूं। भारत को विकास की ऊंचाइयों तक पहुंचाने में हमारे छत्तीसगढ़ का बहुत बड़ा योगदान होगा।राजनाथ सिंह ने कहा, मेरा छत्तीसगढ़ के साथ बहुत अटूट रिश्ता है। छत्तीसगढ़ जब राज्य बना था तब पहली विधानसभा का चुनाव हुआ था तो उस समय पार्टी की तरफ से, केंद्र की तरफ से प्रभारी बन के यहां आया था। तब लोग कहते थे कि भाजपा की सरकार नहीं बनेगी लेकिन हालत बदलते चले गए। जनता ने यह समझना प्रारंभ कर दिया कि अगर छत्तीसगढ़ का भाग्य कोई बदल सकता है तो वह भाजपा ही बदल सकती है। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी इतने सालों तक हुकूमत में रही है। लंबे समय तक इन लोगों ने भारत को लूटा है और लंबे समय तक सरकार चलाई है। जब-जब कांग्रेस की सरकार यहां आई है, तब भ्रष्टाचार तेजी के साथ बढ़ा है।जब-जब कांग्रेस की सरकार आती है, तब-तब घोटालों की बाढ़ आ जाती है।राजनाथ सिंह ने कहा, आपने छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार तो बना दी थी, सब घोटाला तो अलग यहां गोठान घोटाला हो गया, गोबर का घोटाला हो गया। पशुधन के चारों के साथ भी घोटाला कर दिया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, हमारे प्रधानमंत्री जी का संकल्प है कि हम विकसित भारत बनना चाहते हैं। ऐसा भारत, जिसमें कोई भी गरीब शेष न बचे, कोई काम करना चाहता है तो उसे काम करने का अवसर मिले।

कांग्रेस पर हमला बोलते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, कांग्रेस ने देश को भ्रष्टाचारी सरकार ही दी है। कांग्रेस का इतिहास ही घोटालों का रहा है और वो देश में घोटाले पर घोटाला करके घोटालों की बाढ़ ला दिया करते थे। राजनाथ सिंह ने कहा, इस चुनाव के बाद छत्तीसगढ़ से कांग्रेस भी निपट जाएगी। जिस तरह से धरती से डायनासोर लुप्त हो गए, उसी तरह कांग्रेस भी गायब हो जाएगी। उन्होंने कहा, पूरा छत्तीसगढ़ इस समय बोल रहा है आमचो सरकार, आमचो मोदी, आमचो भाजपा यह छत्तीसगढ़िया की आवाज है।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज शनिवार को छत्तीसगढ़ के जगदलपुर पहुंचे। रक्षा मंत्री राजनाथ का जगदलपुर के मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट में भाजपा पदाधिकारियों ने जोरदार स्वागत किया। राजनाथ सिंह बस्तर के बाद कांकेर लोकसभा क्षेत्र में चुनावी रैली को संबोधित किए।।

बस्तर में बोले राहुल गांधी,70 करोड़ लोगों के पास जितना धन, उतना हिंदुस्तान में 22 लोगों के पास संपत्ति

छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के पहले चरण में सिर्फ बस्तर लोकसभा सीट पर चुनाव हो रहा है। यहां कांग्रेस ने पूर्व मंत्री कवासी लखमा को प्रत्याशी बनाता है। लखमा के समर्थन में ही शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दंतेवाड़ा जिले के गीदम में सभा का आयोजन हुआ।

सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पीएम मोदी की सरकार पर जमकर आरोप लगाए। साथ ही कांग्रेस की सरकार बनने पर जनता के लिए कांग्रेस के वादों को याद दिलाया। उन्‍होंने अपने भाषण में कहा, लाखों लोग कोरोना के कारण मरे। हर प्रदेश से गरीब लोग घर वापस लौटे। दिल्ली (केंद्र) की सरकार ने कोई मदद नहीं की, किसी की भी मदद नहीं की। पूरा का पूरा फायदा 2-3 अरबपतियों को दे देते हैं। हिंदुस्तान में 22 लोग हैं जिनके पास उतना ही धन है जितना 70 करोड़ हिंदुस्तानी लोगों के पास है। पीएम मोदी 24 घंटा इन 22-25 लोगों की मदद करते रहते हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के दौरे पर छत्तीसगढ़ सीएम विष्णुदेव साय ने कहा, आज रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। वे दंतेवाड़ा के गीदम और बालोद में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। राहुल गांधी के दौरे पर उन्होंने कहा, राहुल गांधी जहां जहां जाते हैं, वहां कांग्रेस का बंटाधार ही होता है।

डीएमएफ में 12 सौ करोड़ के घोटाले पर शासन ने कोर्ट में प्रस्तुत किया जवाब

बिलासपुर,13 अप्रैल 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में जिला खनिज न्यास के फण्ड के लगातार हो रहे दुरूपयोग को लेकर हाई कोर्ट में दायर जनहित याचिका पर सीबीआई और केंद्र सरकार में जिला खनिज न्यास के फण्ड के लगातार हो रहे दुरूपयोग को लेकर हाई कोर्ट में दायर जनहित याचिका पर सीबीआई और केंद्र सरकार के बाद अब राज्य सरकार ने भी अपना जवाब प्रस्तुत कर दिया है। इस मामले में अब याचिकाकर्ता को प्रत्युत्तर देने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया गया है। कोरबा जिला निवासी संतोष राठौर, ब्रजेश श्रीवास और अन्य भूविस्थापितों की ओर से छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर कर कहा गया है कि पूरे प्रदेश में डीएमएफ मद के तहत मिले 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक के फंड का दुरुपयोग किया गया है। अकेले 1200 करोड़ रुपये की गड़बड़ी कोरबा जिले में की गई है। खर्च के दौरान डीएमएफ अधिनियम 2015 के नियम 25 (3), 12 (3), 12 (6) तथा 12 (2) का उल्लंघन किया गया है। न तो टीडीएस काटा गया और न ही खर्च की ऑडिट कराई गई है।

मासूम बच्ची की गवाही को ही कोर्ट ने माना आधार

मृतक की पत्नी और प्रेमी की सजा को रखा बरकरार

बिलासपुर,13 अप्रैल 2024(ए)। पांच साल पहले एक बैंक कैशियर की हत्या के मामले में निचली अदालत में दोषी पत्नी और उसके प्रेमी की आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखते हुए हाईकोर्ट ने उनकी अपील खारिज कर दी है। अदालत ने मृतक की 6 साल की बेटी के बयान को विश्वसनीय माना है।

पत्नी ने ही दी थी मौत की सूचना

मिली जानकारी के मुताबिक बाराद्वार के स्टेट बैंक में कैशियर राम प्रकाश की पत्नी साक्षी ने पुलिस में 22 सितंबर 2018 को सूचना दी कि वह दिन में वह अपने 4 साल की बेटी के साथ बाराद्वार में ही अपने मायके आ गई थी। शाम को जब उसने पति ने बार-बार रिंग करने के बावजूद फोन नहीं उठाया, तब घबराकर वह रात 11 बजे वापस ससुराल पहुंची। घर का दरवाजा बाहर से बंद था और भीतर पति रामप्रकाश की लाश पड़ी थी।

जांच में प्रेम-प्रसंग आया सामने

पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पुष्टि हुई कि रामप्रकाश की हत्या की गई है। उसका गला दबाया गया है तथा धारदार हथियार से हमला किया गया है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच की और सेशन कोर्ट में केस डायरी पेश की। अभियोजन की ओर से बताया गया कि आरोपी साक्षी का दूसरे आरोपी कुलदीप साहू के साथ अवैध संबंध था। वह अक्सर साक्षी से मिलने के लिए उसके घर जाता था। राम प्रकाश को जब इस बारे में पता चला तो उसने कुलदीप को घर आने से मना कर दिया। इससे नाराज होकर उसकी पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या की योजना बनाई। दोनों ने गला दबाकर तथा धारदार हथियार से हमला कर उसकी हत्या कर दी।

मासूम बच्ची ने दिया यह बयान

इस मामले की अदालत में दो साल तक सुनवाई चली। इस दौरान मृतक की 6 साल की हो चुकी बेटी ने कोर्ट में बयान दिया कि जब मां उसे साथ लेकर मायके जाने के लिए निकली तो वह उसे बाहर छोड़कर वापस घर के भीतर गई। यह कहते हुए कि वह पानी लेकर आ रही है। जब काफी देर तक मां बाहर वापस नहीं आई तो उसने घर के भीतर जाकर देखा। वहां दोनों ने पिता को जमीन पर लिटाकर दबोच लिया था। पिता के दोनों पैरों को मां ने हाथों से दबा रखा था, जबकि कुलदीप गला दबा रहा था। वह घबरा गई तो मां ने डरा कर चुप कराया और उसे मायके में छोड़कर रिपोर्ट लिखाने चली गई।

छग स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के भंडार में आगजनी की जांच 15 दिन बढ़ी

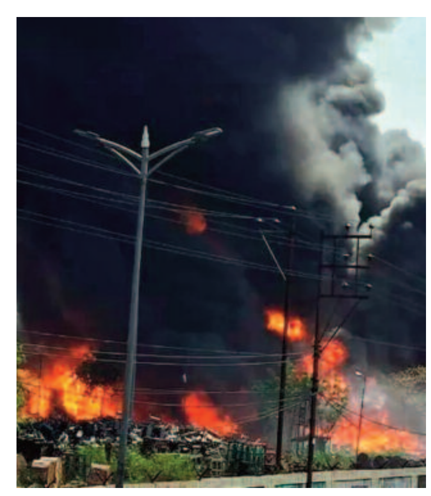

आगजनी की जांच रिपोर्ट की समय सीमा बढ़ाने का निवेदन किया था समिति ने

रायपुर,13 अप्रैल 2024(ए)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के गुढ़ियारी स्थित क्षेत्रीय भंडार में आगजनी प्रकरण की जाँच रिपोर्ट प्रस्तुत करने की समय सीमा 15 कार्य दिवस बढ़ाने का निवेदन समिति द्वारा किया गया था, जिसे पॉवर कंपनी प्रशासन ने स्वीकार कर लिया है । वहीं आग से जनहानि रोकने एवं निकट बस्तियों के निवासियों की निजी संपत्तियों को बचाने में मिली सफलता की सराहना मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित जनप्रतिनिधियों द्वारा की गई है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)